ISSN 2349-6614

अक्टूबर 2019

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

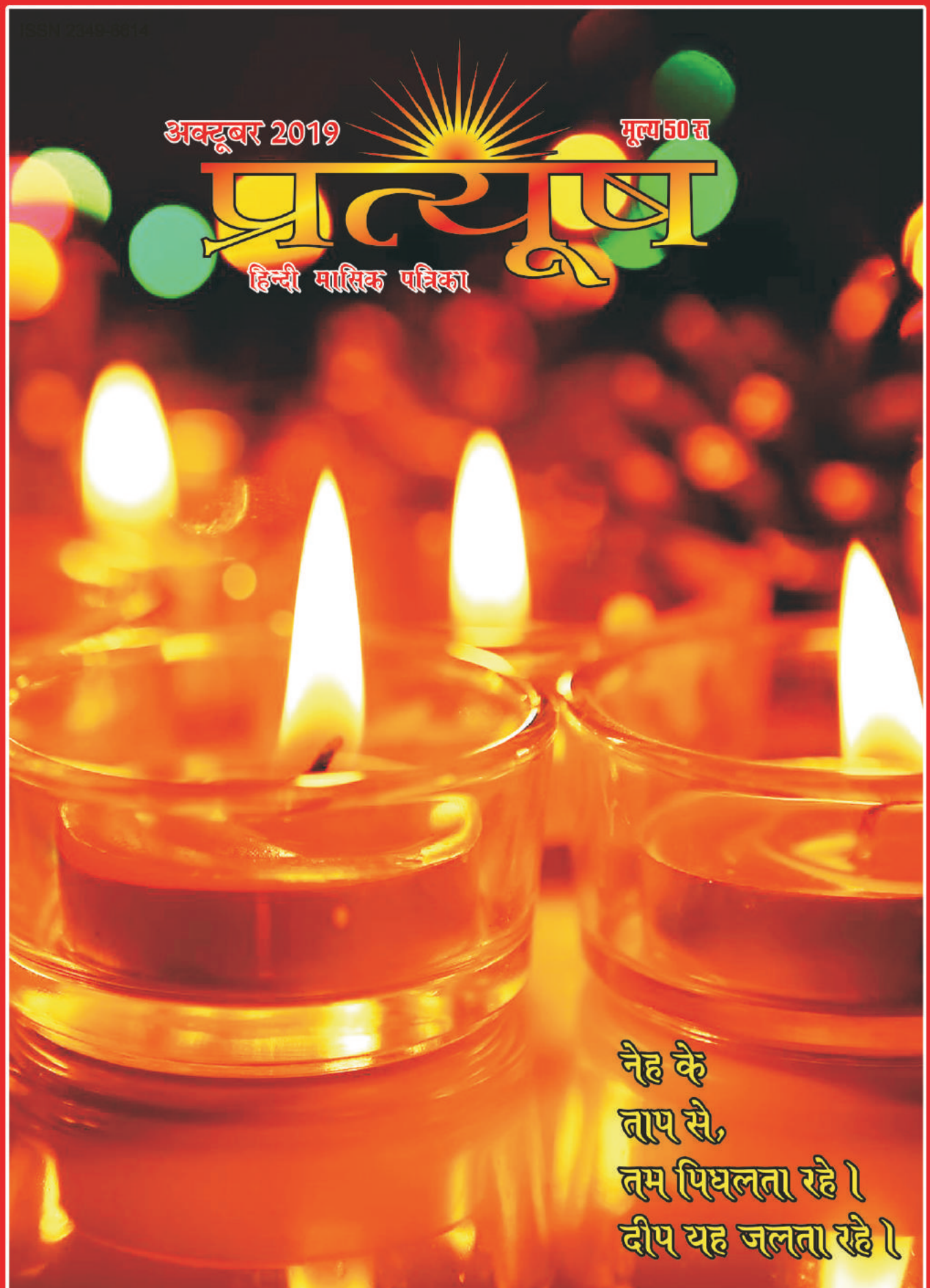

नेह के
ताप से,
तम पिघलता रहे।
दीप यह जलता रहे।

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 17 अंक 8 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

Email: technonjr@gmail.com www.technonjr.org

2020 BATCH PLACEMENTS START AT Techno NJR

TATA

TATA CONSULTANCY SERVICES

Selects 16 Techno NJR Students

Computer Science & Engineering (CSE)

KRITIKA SHARMA

MANALI GORWANI

MILAN POKHARANA

MOHAMMED YAHYA

MOHIT CHUGH

NAMAN MUNDRA

DIMPLE PALIWAL

PRIYANSH BHARDWAJ

RISHIT SONDHI

SHAIVEE KUMAWAT

SONAL KUNWAR

VIKAS PALIWAL

Electronics & Communication Engineering (ECE)

Devashish Mali

Dhvani Minda

Prateek Agarwal

Ishika Malasiya

Infosys®

Selects 4 Techno NJR Students

Priyanshu Somani
Rs. 8 LPA

Mohit Chug
Rs. 5 LPA

Parth Sharma
Rs. 5 LPA

Milan Pokharna
Rs. 3.6 LPA

TECHNO INDIA NJR
INSTITUTE OF TECHNOLOGY

(AICTE APPROVED. AFFILIATED TO RTU)

CAMPUS: Plot- SPL-T, Bhamashah (RIICO) Industrial Area Kaladwas, Udaipur.
Tel: 0294-2650214, 2650217/18, Mob. 8696932708, 8696932700

ALKA

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कमावत, जितेन्द्र कमावत,
ललित कमावत

बीक रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता

बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक-संस्थापक:
Pankaj Kumar Sharrma
"रक्षाबंधन", धानमण्डी, उदयपुर-313 001

पाठकों, सहयोगियों एवं लेखक परिवार को ज्योतिपर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अक्टूबर
2019
वर्ष 17, अंक 8

प्रत्यूष

अन्दर के पृष्ठों पर...

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

07 अपराध/भ्रष्टाचार

'खाकी' से शर्मसार सरकार

09 ज्वलंत प्रश्न

अधर में 19 लाख लोगों का भविष्य

16 नमन

ऐसा होता था बापू का हर दिन

21 आईना

बलूचों का कत्लेआम

40 कला

नृत्य सिर्फ कला नहीं ...

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

MSCS/CR/352/2010

ISO 9001:2008 SOCIETY

हृदय

आपकी बचत
हमारा विश्वास

www.hriday.co

11–बी, विनायक बी कॉम्प्लेक्स, दुर्गा नर्सरी रोड़, उदयपुर

Happy Deepavali

Dharmendra Mandot
Director

Dulux

NAKODA
PAINTS & DECOR

THE TRUE COLOUR SHOP

100 Feet Road, Near SBI Bank, Opp. Ashoka Palace, Shobhagpura, Udaipur 313 004
Mob. : 98281 40456, E-mail : nakodapaints.udr@gmail.com

चुनावी हवाओं में जन-धन का धुंआ

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का विचार कोई नया नहीं है। समय-समय पर देश में इसकी मांग उठती भी रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पिछले कार्यकाल में एक साथ चुनाव का विचार देश के सामने रखा था। दूसरे कार्यकाल के आरंभ में उन्होंने अपने विचार को आगे बढ़ाते हुए सभी राजनैतिक दलों की बैठक भी बुलाई थी। जिसका कुछ बड़े दलों ने बहिष्कार किया। एक देश, एक चुनाव न सिर्फ चुनावी खर्च बचाने बल्कि अन्य दृष्टियों से भी उपयोगी तो है, लेकिन ऐसा करने से पहले उन तमाम-पेचिदगियों पर भी मंथन ज़रूरी है, जिनका समाधान संभव तो है, लेकिन आसान नहीं है।

प्रधानमंत्री की ओर से 19 जून को लोकसभा व राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के विचार को लेकर करीब तीन दर्जन छोटे-बड़े राजनैतिक दलों की बैठक बुलाई गई थी। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बसपा और तृणमूल कांग्रेस सहित करीब 16 दलों ने बैठक का बहिष्कार किया। जबकि एनसीपी, माकपा, नेका समेत 21 दलों ने बैठक में अपने विचार साझा किए। बैठक का बहिष्कार करने वाले दलों का वतीरा समझ से परे था। इसके पीछे उनका कोई सोच और तर्क भी सामने नहीं आया। चूंकि ये तमाम दल नरेन्द्र मोदी के फिर से सत्ता में लौट आने से क्षुब्ध थे, सो एक ऐसे मुद्दे का भी विरोध कर बैठे जो देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और थोड़े-थोड़े अन्तराल के बाद होते रहने वाले चुनावों में जन-धन के खर्च की प्रक्रिया से जुड़ा था। इन दलों को बजाय बैठक का बहिष्कार करने के तर्क और तथ्यपरक विचारों से इस बहस को आगे बढ़ाना था। वे यह क्यों भूल गए कि साल 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ हो चुके हैं, जिसका ये भी हिस्सा थे।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सत्तर के दशक के बाद राजनैतिक हालातों में तेजी से बदलाव आया। साल 1967 के बाद चूंकि कई बार लोकसभा और कई राज्य विधानसभाएं जल्दी व अलग-अलग समय पर भंग होती रहीं, इसलिए चुनाव अलग-अलग वक्त पर होने लगे और आज तो राजनैतिक दृष्टि से देश के हालात ऐसे हैं कि वह प्राय: चुनावी हवाओं में ही सांस लेने लगा है।

एक साथ चुनाव एक राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है। कई विपक्षी दल एक साथ चुनाव को व्यावहारिक नहीं मानते, लेकिन वे यह बताने को क्यों तैयार नहीं है कि व्यावहारिक क्यों नहीं मानते? इस प्रश्न का भी जवाब नहीं दे रहे कि राज्यों और लोकसभा के चुनाव एक साथ क्यों नहीं कराए जाएं? भाजपा सहित कुछ दलों का मानना है कि देश में थोड़े-थोड़े अन्तराल पर चुनाव कराए जाने से विकास बाधित होता है। राजकोष का जो बड़ा हिस्सा जनता की भलाई के लिए हो सकता है, वह चुनावों में खर्च हो जाता है। साथ ही राजनैतिक दल और उनके नेता-कार्यकर्त्ता चुनावों की राजनीति में ही उलझे रहते हैं। न उन्हें जन समस्याओं को समझने का और न ही उन्हें हल करने का मौका मिलता है। हम पहले ही कह चुके हैं कि राज्यों में जिस तरह से राजनैतिक स्थितियां बनती-बिगड़ती रहती हैं, ऐसे में एक साथ चुनाव कराने पर आनन-फानन में एकराय होना संभव नहीं है, लेकिन इस पर विचार कर यदि कोई सार्थक लोकतंत्रात्मक मार्ग निकल आता है, तो उस पर मंथन से परहेज भी क्यों किया जाए?

राष्ट्रपति ने भी जून में संसद की संयुक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए खर्चीली और लगातार चुनाव की तूफानी व्यवस्था से निजात पाकर एक साथ चुनाव के प्रस्ताव पर विस्तृत विचार-विमर्श और निर्णय की सलाह दी थी।

कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और वामदलों के नेताओं के साथ प्रगतिशील कहलाने वाले एक गैर-राजनैतिक वर्ग ने भी गंभीर आशंकाएं और आपत्तियां व्यक्त की हैं। बहस में शामिल होकर सकारात्मक सुझाव-सिफारिशें रखने के बजाय वे ऐसे किसी कदम से संविधान की मूल संघीय भावना, क्षेत्रीय स्वायत्तता और अस्तित्व के खत्म होने, दो-तीन दलीय व्यवस्था या एक दलीय और एक नेतृत्व वाली तानाशाही तक के खतरे बताने लगे हैं। यह सोच, व्यवहार और, विचारधारा, उनकी अपनी सुविधा अथवा कमज़ोरी या कुछ और है? ये तो वे ही जानें।

राष्ट्रीय राजनैतिक दल अथवा क्षेत्रीय पार्टियां, क्या बार-बार के चुनाव में हजारों करोड़ रुपयों का धुंआ करने में सुख और संतोष का अनुभव करती हैं? पिछले चुनाव इस बात के प्रमाण हैं कि सरकारी खजाने से चुनाव आयोग के करीब दस हजार करोड़ रुपए के अधिकृत खर्च के अलावा राजनैतिक पार्टियों और प्रत्याशियों ने चुनावों में दो से पांच लाख करोड़ रुपए तक खर्च कर दिए।

एक साथ चुनाव करवाना संभव है, लेकिन इसके लिए सांविधानिक कुछ ज़रूरी संशोधन करने होंगे। पहला, कुछ राज्य विधानसभाओं की समय-सीमा कम करनी होगी, जबकि कुछ की बढ़ानी पड़ेगी। फिर एक महत्वपूर्ण संशोधन यह भी करना होगा कि कालांतर में कोई विधानसभा यदि समय-पूर्व भंग होती है, तब किस तरह की व्यवस्था की जाएगी? यह नौबत लोकसभा के संदर्भ में भी आ सकती है। क्योंकि साल 1998 और 1999 में देश समय-पूर्व आम चुनाव झेल चुका है।

इन मुश्किलों से बचने के लिए अनुच्छेद 83, 172 और 356 में संशोधन आवश्यक है। लोकप्रतिनिधित्व कानून में भी परिवर्तन की ज़रूरत होगी। वर्ष 2015 में चुनाव आयोग ने इन तमाम पहलुओं से केन्द्र सरकार को अवगत भी कराया था। अतएव चुनाव सुधारों को लेकर बहस के दरवाजे खुले रहने चाहिए। इसी महीने से ही राज्यों में निगमों, पंचायतों और विधानसभाओं के चुनावों का दौर शुरू हो चुका है। जिसके खत्म होते-होते ही कुछ और राज्यों में और उसके बाद पुन: लोकसभा चुनाव की दुंदुभी बज उठेगी।

Happy Deepavali

Darcl
Logistics

Darcl Logistic Limited

(Formerly known as Delhi Assam Roadways Corporation Limited)

Branch Office :
2nd Floor, 26-NB Complex, Ahmedabad Road, Pratap Nagar Chauraha, Udaipur (Raj.)
Tel. : +91-294-3296769, 3297688, Fax : +91-294-2494142
Email : surender.sharma@delhiassam.com | www.darcl.com

'खाकी' से शर्मसार सरकार

पुलिस अधीक्षकों की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जताई नाराज़गी

✍ मनीष उपाध्याय

राजस्थान में बाड़ ही खेत को चरने में लगी है। राज्य का पुलिस महकमा बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण में तो नाकारा साबित हुआ ही है, भ्रष्टाचार के मामले में भी उसके कदमों की रफ्तार बहुत तेज है। स्वच्छ और बेदाग छवि के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भ्रष्टाचार मुक्त माहौल पैदा करने की सत्ता में लौटने के तुरन्त बाद से ही लगातार कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर व्यवस्था स्थापित करने वाली पुलिस मुख्यमंत्री की छवि को खराब करने पर आमादा है। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय भी मुख्यमंत्री के ही पास है। उन्होंने 4 सितम्बर को जयपुर में पुलिस अधीक्षकों की बैठक बुलाकर हालात पर गहरी नाराजगी भी जताई। उन्होंने यहां तक कह दिया कि 'पुलिस के लोग अपने मातहतों' तक को नहीं बख्शते। उनके विभागीय कामों को सुलटाने के लिए भी वसूली करते हैं और जो उनकी मांग पूरी करते हैं, वे सयाने भी जनता की जेब खाली करवाते हैं। मुख्यमंत्री ने इशारों-इशारों में कुछ बड़े अफसरों की कारगुजारियों को भी खोला।

6 सितम्बर को राजस्थान पुलिस ने हरियाणा के एक मोस्ट वांटेड इनामी बदमाश को तड़के बहरोड़(अलवर) हाईवे चौक पर 32 लाख रू. की नकदी के साथ पकड़ा था। उसके दो साथी मौके से भाग गए थे। पुलिस ने बदमाश को थाने लाकर लॉकअप में बंद कर दिया। इसके ठीक 4-5 घंटे बाद

गिरफ्तार तथाकथित अपराधी के हथियारों से लैस साथी तीन-चार वाहनों में आए और अंधाधुंध फायरिंग कर उसे लॉकअप से निकाल ले गए। यह सारी कार्रवाई मात्र 5-7 मिनट में निबट गई और थाने के तमाम सूरमा कौनों में दुबके रहे। थाने के एसएचओ और स्टाफ पर मिलीभगत से उसे भगाने के आरोप हैं। सरकार की अलवर के थानागाजी गैंगरेप, फिर पहलू खां प्रकरण और अब पपला प्रकरण में फजीहत हो रही है। पुलिस एक शक्तिशाली व्यवस्था है, पुलिसकर्मियों का ईमान हर दिन डोल रहा है। उसके चंगुल में यदि कोई फंस जाए तो बिना दिए हटना संभव नहीं। एसीबी के खुलासे से तो यही साबित हो रहा है। सितम्बर के पहले सप्ताह में ही उदयपुर जिले के आदिवासी बहुल क्षेत्र गोगुन्दा थाने के एक हेड कांस्टेबल को घूसखोरी में पकड़ा गया। सन् 2001 में खाकी धारण करने वाले इस कांस्टेबल की जहां भी पोस्टिंग रही वहीं इसने खूब माल बनाया। उसकी कुण्डली खंगाली गई तो वह करोड़ों का आसामी निकला। उसने ज्यादातर शिकार, गरीब, अनपढ़ और आदिवासियों को बनाया।

अपराधों के मामलों में राजस्थान लगातार आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष जुलाई तक 135768 आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। यह वर्ष 2017 के मुकाबले 32 प्र. श. अधिक तो वर्ष 2018 के मुकाबले 31 फीसद अधिक है। हत्या व लूट जैसे मामलों में भी अप्रत्याशित वृद्धि हुई हैं। अपराध के साथ-साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बेहद गंभीर है। राजधानी जयपुर में जहां पूरे तामझाम के साथ सरकार और पुलिस के आला अफसर बैठे हैं, वहीं पिछले महीनों एक के बाद एक साम्प्रदायिक तनाव की घटनाएं सामने आईं हैं। मॉब लिचिंग की घटनाओं पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। अखबार के एक गरीब हॉकर का ग्राहक ने गला सिर्फ इसलिए काट दिया कि अखबार के बिल का भुगतान मांगा था।

जिस खाकी से आम जन अपराध और भ्रष्टाचार पर रोक की उम्मीद करते हैं, वही आकंठ डूबी है। भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ब्यूरो (एसीबी) ने पिछले

दिनों एक रिपोर्ट तैयार की थी, जिसमें सामने आया कि प्रदेश की पुलिस के हाथ घूस की रकम से काले होते ही रहे हैं। प्रदेश में वर्ष 2018(पूरा वर्ष) और एक जनवरी से 28 अगस्त 2019 तक घूस लेने के मामले में पुलिस नम्बर वन रही है। जबकि दूसरे नम्बर पर राजस्व विभाग और तीसरे नम्बर पर पंचायती राज विभाग में तैनात अफसर और कर्मचारी हैं। हालांकि विभाग के डीजी आलोक त्रिपाठी की जागरूकता से एसीबी ने बजरी से अवैध वसूली करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है और कुछ घूसखोरों को रंगे हाथों गिरफ्तार भी किया है। काला धन इकट्ठा कर अकूत सम्पत्ति बनाने वाले अधिकारियों को सलाखों के पीछे भी डाला है। कायदे-कानून बनाने वाली विधानसभा के कार्यालय तक में रिश्वतखोर एक्सईएन और कैशियर पकड़े जा चुके हैं। सरकार के खान विभाग का संयुक्त सचिव भी लालकोठी योजना(जयपुर) स्थित घर में 4 लाख रुपये की घूस लेते दलाल सहित रंगे हाथ पकड़ा गया। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में तो एक सेवानिवृत्त कांस्टेबल से 5 हजार की रिश्वत लेते एलडीसी को गिरफ्तार किया गया। कांस्टेबल दो माह पहले ही रिटायर हुआ था और विभाग से अपने हक के सातवें वेतन आयोग का बकाया एरियर मांग रहा था। पिछले 6 माह में एसीबी ने 33 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इनमें 13 उपनिरीक्षक व उससे वरिष्ठ अधिकारी तथा 20 कांस्टेबल से सहायक उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी हैं। व्यवहार को लेकर तो प्राय: पुलिस पर सवाल उठते ही रहते हैं। थानों का माहौल भी घुटन भरा है। आदिवासी बहुल बांसवाड़ा में जिला कारागृह स्थित सरकारी आवास में चाकू की नोक पर एक महिला प्रहरी से जेल के ही प्रहरी लक्ष्मण पर पिछले दिनों बलात्कार का आरोप लगा है।

पुलिस महकमे में सफाई का अभियान वर्तमान की जरूरत बन गई है। जिस तरह से केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करते हुए उन्हें घर का रास्ता दिखाया है, वैसा ही राज्यों में मुख्यमंत्रियों को भी करना होगा। विशेषकर पुलिस और उन विभागों में भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई तेज करनी होगी, जिनसे आम आदमी न्याय की उम्मीद रखता है।

जहां तक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की बात है तो उस पर भी कड़ी निगाह की जरूरत है। केन्द्र और राज्य में ऐसे और भी विभाग हैं, जो भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन ये विभाग भी कभी-कभी सिर्फ दिखावे और आंकड़े जुटाने से ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। भ्रष्टाचार में लिप्त लोग कानूनी पेचीदगियों और नियमों के मकड़जाल का भरपूर फायदा उठाते हैं। भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने वाला तंत्र भी कम ताकतवर नहीं होता। पिछले साल देश की सबसे बड़ी जांच एजेन्सी सीबीआई में ही शीर्ष स्तर पर अधिकारियों ने एक-दूसरे पर जिस तरह भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, वह यह बताने के लिए काफी हैं कि इन संस्थाओं को जिस बिमारी से लड़ना है, वे खुद उससे ग्रस्त हैं। ऐसे में भ्रष्टाचारियों के चक्रव्यूह को भेदने के लिए भरपूर राजनैतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है।

आपका अपना बैंक

राजस्थान का प्रथम महिला सहकारी बैंक

दी उदयपुर महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.

प्रधान कार्यालय : 21-22, हिरणमगरी, सेक्टर- 3, उदयपुर, फोन : 2462338

बैंक की वर्तमान दरें :-

IFSC CODE : ICIC00UMUCB

S.NO.	PARTICULARS	01.07.2018
1.	30 days to 45 days	4.50%
2.	46 days upto 179 days	5.00%
3.	180 days and above less than 1 year	6.10%
4.	1 year and above below Rs. 1 Crore	7.20%
5.	1 year and above Rs. 1 Crore & above	7.35%
6.	Saving Bank deposit	4.00%

वरिष्ठ नागरिकों के लिए :- एक वर्ष व एक वर्ष से अधिक की जमाओं पर 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त।

उत्तरी भारत में बेस्ट महिला बैंक अवार्ड से सम्मानित।

माननीय ग्राहकों को हम चिन्तामुक्त सेवाएं देते हैं। महिला बैंक में कोई भी व्यक्ति चाहे पुरुष हो या महिला खाता खोल सकता है। एक बार सेवा का मौका दें।

नवरात्रि एवं दीपावली

के शुभ अवसर पर बहनों के लिए विशेष तोहफा

- कार लोन पर 9 % ब्याज दर
- दो पहिया वाहन पर 10 % ब्याज दर

किसी भी प्रकार की कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं

- होम लोन पर 8.5 % ब्याज दर

उपरोक्त स्कीम सीमित समय के लिए

अधिक जानकारी के लिये अपनी नजदीकी बैंक शाखा में सम्पर्क करें :

डिजीटल बैंकिंग सुविधा :

- मोबाईल बैंकिंग
- ऑनलाईन खाते की जानकारी
- ए.टी.एम. कार्ड एवं E.Com.
- केशलेस सुविधा हेतु चालू खाता धारकों को POS Machine
- NEFT/RTGS/SMS/IMPS एवं आधार आधारित भुगतान
- शीघ्र UPI एवं BBPS सुविधा प्रारम्भ। ABPS ECS Debit, Credit

बैंकिंग सबके लिए :

- बचत खाता, चालू खाता
- मियादी जमा खाता, आर डी जमा खाता।
- मियादी जमाओं में मासिक / त्रैमासिक ब्याज भुगतान की सुविधा।
- दैनिक जमा योजना
- बैंक की सभी शाखाओं में लॉकर
- महिलाओं को आसान शर्तों पर ऋण
- पर्सनलाईन्ड चेक बुक
- जीरो बैलेन्स खाता सुविधा।

सभी तरह की ऋण सुविधा उपलब्ध :-

यूएमयूसीबी आवास	यूएमयूसीबी शिक्षा	यूएमयूसीबी बन्धक ऋण	यूएमयूसीबी व्यापार	यूएमयूसीबी होलीडे	यूएमयूसीबी वाहन
ऋण ब्याज दर 8.50 प्रतिशत अपने स्वयं का सपनों का घर	ऋण ब्याज दर 10 प्रतिशत शिक्षा एवं ज्ञान का द्वार	एवं लिमिट ब्याज दर 11 से 12 प्रतिशत अपनी सम्पत्ति भुनाना	ऋण ब्याज दर 11 प्रतिशत व्यापारियों के लिए ओवर ड्राफ्ट	ऋण ब्याज दर 12 प्रतिशत छुट्टियों में घूमने हेतु ऋण	ऋण ब्याज दर 9.50 से 10 प्रतिशत अपने सपनों का वाहन

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें : website: http://umucbank.com

शाखाएं ● महावीर भवन, न्यू अश्विनी बाजार, फोन : 2414357 ● सिल्वी बाजार, फोन : 2426059 ● 4, साईफन चौराहा, फोन : 2453050 ● हिरणमगरी सेक्टर 14, फोन : 2641646 ● विश्वविद्यालय मार्ग, फोन : 2413205 ● 21-22 हिरणमगरी से. नं. 3, फोन : 2462307 ● 2-3, सत्यम एस्टेट, बलीचा, फोन : 2640080

एनआरसी : अधर में 19 लाख लोगों का भविष्य

असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। यह सूची वेबसाइट पर भी है। कुल तीन करोड़ 11 लाख 21 हजार चार लोगों के नाम एनआरसी सूची में शामिल हैं। वहीं 19 लाख 6 हजार 657 लोगों के नाम सूची में शामिल नहीं हैं। ऐसे में सूची से छूटे हुए लोगों के मन में सवाल है कि आगे क्या होगा ?

आगे की कार्रवाईके लिए लोगों को विदेशी नागरिक पंचाट के दरवाजे खटखटाने होंगे। जिनके नाम पंजी में नहीं हैं, उन्हें अपने या अपने पूर्वजों के नागरिक होने का प्रमाण देना होगा या फिर 24 मार्च, 1971 के पहले की नागरिकता का प्रमाण देना होगा। बांग्लादेशियों के प्रवासन के खिलाफ छह साल तक चले आन्दोलन के बाद 1985 में हुए असम समझौते के मुताबिक 24 मार्च, 1971 के बाद असम में आने वाले विदेशियों को वहां का नागरिक नहीं माना जाएगा। इस पर केन्द्र, राज्य और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन ने सहमति जताई थी। 1951 की एनआरसी सूची में आने वाले लोग खुद ब खुद इस अंतिम सूची में भी शामिल माने जाएंगे। जन्मतिथि प्रमाणपत्र और भूमि के रिकॉर्ड भी मान्य होंगे।

नागरिकता के लिए लोगों को कई तरह के दस्तावेज देने थे। इन दस्तावेजों में 1951 की एनआरसी में आया अपना नाम, 1971 तक मतदाता सूची में आए नाम, जमीन के कागज, स्कूल और विश्वविद्यालय में पढ़ाई के सबूत, जन्म प्रमाण पत्र और माता-पिता के वोटर कार्ड, राशन कार्ड, एलआइसी पॉलिसी, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, शरणार्थी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जैसे प्रमाणपत्र शामिल हैं।

जो 19 लाख लोग बाहर हुए हैं, वे 24 मार्च, 1971 से पहले के नागरिक होने के बारे में सबूत नहीं दे पाए। ऐसे लोग अगर फिर न्यायाधिकरण के समक्ष वही दस्तावेज लेकर जाते हैं तो उन्हें फिर से खारिज किया जा सकता है। उन्हें इसके अलावा दूसरे दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा।

बांग्लादेश ने कभी भी असम गए अपने नागरिकों को आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है। ऐसे में सूची से बाहर किए गए लोगों को वहां भेजा जाना टेढ़ी खीर होगी। भारत में शरणार्थी तिब्बत, श्रीलंका और पश्चिमी पाकिस्तान से आने वाले लोग हैं। भारत में रह रहे तिब्बती लोगों को इस आधार पर भारतीय नागरिकता दी गई है कि ऐसे लोगों को वतन छोड़कर आना पड़ा है और उन्हें शरणार्थियों वाली सुविधाएं दी जाती हैं।

ताजा घटनाक्रम में असम का राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन(आसू) ने कहा कि वह एनआरसी से निकाले गए नामों के आंकड़े से खुश नहीं है और इसके खिलाफ वह हाईकोर्ट का रुख करेगा। वर्ष में 1985 में हुए असम समझौते में आसू एक पक्षकार है, जिसमें असम में रह रहे अवैध विदेशियों को पहचानने, हटाने और निकालने का प्रावधान है। आसू के महासचिव लुरिनज्योति गोगोई ने कहा कि हम इससे बिल्कुल खुश नहीं है। असम के वित्त मंत्री हिमंता बिश्वशर्मा ने कहा कि एनआरसी के अंतिम संस्करण में कई ऐसे लोगों के नाम शामिल नहीं है जो 1971 से पहले बांग्लादेश से भारत आए थे। बिश्वशर्मा ने ट्वीट कर कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकारों के पहले किए अनुरोध के अनुसार हाईकोर्ट को सीमावर्ती जिलों में कम से कम 20 फीसद और शेष असम में 10 फीसद पुन: सत्यापन की अनुमति देनी चाहिए।

'जनसत्ता' से साभार

कुछ मुद्दे साफ नहीं

जिन्हें अंतिम सूची में जगह नहीं मिली है, वे आधिकारिक तौर पर गैर नागरिक होंगे। भारत की फिलहाल ऐसे राज्यविहीन लोगों के प्रति कोई तय नीति नहीं है। ऐसे लोगों को मत देने का अधिकार नहीं होगा। सूची से बाहर के ऐसे लोगों को शरणार्थी भी नहीं कहा जाएगा। असम में अभी छह नजरबंदी शिविर हैं। एक और शिविर प्रस्तावित है, जिसमें तीन हजार लोगों को रखे जाने की क्षमता है। जाहिर है कि लाखों लोगों को इसमें रखना संभव नहीं। फिलहाल इस बारे में स्थिति साफ नहीं है।

दुनियाभर में पाकिस्तान की फजीहत

दाना-पानी की मुश्किल में फंसी अपनी जनता का ध्यान बटाने की इमरान खान की ओछी हरकत

सीमापार और पीओके से मिल रही खबरों के मद्देनजर भारतीय सेना सतर्क है। घुसपैठियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। घुसपैठिए मारे जा रहे हैं और पकड़े भी जा रहे हैं। भारत की जवाबी कार्रवाई में अब तक पाकिस्तान के दर्जन भर एसएसजी कमांडो मारे जा चुके हैं। पाकिस्तान की ओर से किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए सेना पूरी तरह से तैयार है। भारत की खुफिया एजेंसियां पाकिस्तान की हर हरकत पर नजर बनाए हुए हैं।

✍ संजय

जम्मू-कश्मीर से लगती भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव चिंता का विषय है। कोई दिन ऐसा नहीं गुजर रहा जब पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी नहीं हो रही हो। इससे सीमाई इलाकों में दहशत का माहौल है और लोग डरे हुए हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस साल पाकिस्तान ने दो हजार पचास से अधिक बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया है। जाहिर है, पाकिस्तानी फौज भारत को उकसाने के लिए गोलीबारी, मोर्टारों से हमले और आतंकवादियों की घुसपैठ कराने जैसी रणनीति पर काम कर रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच 2003 में संघर्षविराम समझौता हुआ था और दोनों देशों ने यह तय किया था कि उकसावे के लिए कोई भी पक्ष अपनी ओर से पहले गोलीबारी नहीं करेगा। लेकिन सीमापार से होने वाली अनवरत गोलीबारी इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि पाकिस्तान के लिए इस समझौते का कोई मतलब नहीं है। पाकिस्तान के लिए संघर्षविराम समझौता एक तरह से बेमानी है। कई बार तो सीमाई इलाकों में हालात इतने गंभीर हो जाते हैं कि जान बचाने के लिए लोगों को गांव छोड़ने तक को मजबूर होना पड़ जाता है और सुरक्षित ठिकाने तलाशने पड़ते हैं। इस साल अब तक भारतीय सीमा में स्थित गांवों में इक्कीस लोग पाकिस्तानी फौज की गोलियों का शिकार हो चुके हैं। संघर्षविराम के उल्लंघन की बढ़ती घटनाएं बता रही हैं कि बौखलाया हुआ पाकिस्तान कश्मीर में अस्थिरता पैदा करने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है।

जम्मू-कश्मीर पर भारत सरकार के फैसलों के बाद पाकिस्तान की बेचैनी को देखकर लगता है कि उसने इतिहास से सबक नहीं सीखा है। कई जिम्मेदार पदों पर बैठे पाकिस्तानी नेता युद्ध की धमकी ऐसे दे रहे हैं जैसे वे कई बार हरा चुके हों जबकि हकीकत ठीक इसके उलट है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री महमूद खान तो यहां तक कह चुके हैं कि यदि कश्मीर के लिए जिहाद किया जाता है तो वह जिहादियों के कमांडर बनने को तैयार हैं। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान जान-बूझकर इस हकीकत को दूर रखना चाहता है कि कश्मीर कभी उसका हिस्सा नहीं था। हालांकि, यह सच है कि कश्मीर पाकिस्तान की राजनीति में एक मुद्दे के रूप में हमेशा शामिल रहा है और इसे

हासिल करने का ख्वाब देखने वाले राजनेताओं और सेना ने बार-बार अपना उल्लू सीधा किया है। घोर आर्थिक मुसीबतों से घिरे देश का यह दुस्साहस ही है कि सामने से मात खाने के बाद भी कश्मीर को हासिल करने के नाम पर परोक्ष युद्ध करता रहे। पाकिस्तान आतंकवादियों की पनाहगाह बना हुआ है।

आतंकवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के मकसद से भारत सरकार ने एक कदम और आगे बढ़ा दिया है। हाल ही में बने आतंकरोधी कानून के तहत भारत पाकिस्तान में पनाह पाए जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर, लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज मुहम्मद सईद, मुंबई हमले के आरोपी जकी-उर-रहमान लखवी और भगोड़े माफिया दाउद इब्राहिम को आतंकवादी घोषित कर दिया है। कुछ दिनों पहले ही सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून 1967 में एक महत्त्वपूर्ण संशोधन किया था। जिसके तहत पहली बार इन चारों को आतंकी घोषित किया गया है। पहले ऐसा कानून न होने की वजह से भारत सरकार इन्हें आतंकी का दर्जा नहीं दे पा रही थी। भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन चारों के खिलाफ अपनी बात रखता रहा है, पर अब वह दावे के साथ कह सकता है कि उसने इन्हें आतंकी घोषित कर रखा है। इस तरह वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इनके प्रत्यर्पण के लिए भी मांग उठा सकता है। अभी तक इनके प्रत्यर्पण की उसकी मांग प्रभावी नहीं हो पा रही थी। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने भी मसूद अजहर और हाफिज सईद को वैश्विक आतंकी घोषित कर रखा है, पर भारत के कानून के मुताबिक इन्हें आतंकी घोषित किए जाने के बाद इन दोनों पर नकेल कुछ अधिक सख्ती से कसी जाने की गुंजाइश बनी है, क्योंकि इन्होंने अपनी ज्यादातर आतंकी गतिविधियों को भारत की जमीन पर अंजाम दिया है।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटाए जाने के बाद पाकिस्तान भारत को घेरने की कोशिशों में लगा है। मगर उसका हर प्रयास विफल हो रहा है। अब तो वह अपने घर में ही घिरता जा रहा है। कश्मीर की स्थिति पर उसने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में गुहार लगाई थी। उसने कहा था कि इस मामले की अंतरराष्ट्रीय जांच होनी चाहिए। मगर भारत ने उसकी दलीलों को खारिज करते हुए दो-टूक जवाब दिया कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटाना भारत का संप्रभु निर्णय है, उस पर किसी दूसरे का हस्तक्षेप नहीं हो सकता। जहां तक घाटी में मानवाधिकार हनन की बात है, उस पर भारत काफी सतर्क है और वह जरूरी कदम उठा रहा है। इस तरह पाकिस्तान को मानवाधिकार परिषद में भी मुंह की खानी पड़ी। दरअसल, पाकिस्तान एक ऐसे मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के सामने पेश कर रहा है, जिस पर भारत को निर्णय करने का पूरा हक है। कश्मीर को लेकर वह शुरू से ही बेवजह अपनी ऊर्जा खर्च करता रहा है। अमेरिका, रूस, फ्रांस, यूरोपीय संघ सहित अनेक देश स्वीकार कर चुके हैं कि कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है। मगर पाकिस्तान अपनी दयनीय स्थिति पर ध्यान देने के बजाय उसी में उलझा हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही कूटनीतिक नाकामी से पाकिस्तान का तिलमिलाना स्वाभाविक है। कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण से पाकिस्तान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है। कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण और भारत के खिलाफ झूठा प्रचार पाकिस्तान सरकार की रणनीति का अभिन्न हिस्सा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान खुद कह चुके हैं कि उनके विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी दुनिया के तमाम मुल्कों में जा-जाकर उनके राष्ट्र प्रमुखों से मिलेंगे और बताएंगे कि कश्मीर में भारत क्या कर रहा है। इसी रणनीति के तहत पिछले एक महीने में पाकिस्तान ने इस्लामी देशों सहित कई देशों से कश्मीर पर समर्थन मांगा। लेकिन उन्हें हाथ कुछ नहीं लगा। यहां तक कि इस्लामी देशों के संगठन तक से कोई भरोसा या मदद के संकेत नहीं मिले। किसी भी देश ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने के भारत के फैसले को गलत नहीं बताया बल्कि साफ कहा कि यह भारत का अंदरूनी मामला है। सवाल यह है कि ऐसे में पाकिस्तान करे तो क्या करे। शाह महमूद कुरैशी तो पाक अधिकृत कश्मीर में एक जनसभा में इस हकीकत को स्वीकार कर चुके हैं कि कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान को दुनिया के मुल्कों का समर्थन मिलना आसान नहीं है। लेकिन पाकिस्तान की हुकूमत इस सच्चाई से मुंह मोड़ कर अवाम की आंखों में धूल झोंक रही है। बेहतर यही है कि इमरान खान कश्मीर राग छोड़ कर कंगाली के कगार पर पहुंची अर्थव्यवस्था को संभालते हुए दाना-पानी की मुश्किल में फंसी अपनी जनता की सुध लें।

कविता

मुक्ति का संग्राम

मुक्ति के संग्राम का
पर्याय मेरा देश
चेतना के रंग का
अध्याय मेरा देश।
शब्द जिसके तैरते हैं
अग्निधारा में
अर्थ लेता है जहां
इतिहास का सपना
विषबुझी उन्माद की
पछुवा हवाओं पर
सूर्य किरणों से लिखा है
नाम फिर अपना।
लोक सत्ता के लिए
प्रतिबद्ध मेरा देश
प्रेरणा के पृष्ठ से
संबद्ध मेरा देश।
धर्म का जिसने नया
परिवेश खोजा है
तोड़ डाले हैं समय की
क्रूरता के पंख
विश्व के भूगोल की
रचना बदलने में
और उजले हो गए
स्वाधीनता के शंख।
ज्योति रेखा को समर्पित
आज मेरा देश
व्यक्ति की अभिव्यक्ति
का संवाद मेरा देश।
युद्ध को जो और
अब जीने नहीं देगा
दे रहा जो फिर चुनौती
झूठे के बल को
यूं नहीं उड़ पाएंगे
आतंक के बादल
मान्यता देगा नहीं जो
ध्वंस के कल को।
सत्य की आवाज का
अधिकार मेरा देश
भावना केज्वार
का संसार मेरा देश।

- वेद व्यास

Happy Deepavali

HRi **HOTEL**

RAJKAMAL

INTERNATIONAL

FOR EXCLUSIVE COMFORT & LUXURY STAY

123, By Pass Road, Bhuwana, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2440085, 2440770

Mob.: 08302614326, 09829113316

Email-rajkamaludr@gmail.com, www.hotelrajkamal.com

चांद नहीं अब ज़्यादा दूर

'विक्रम' लैण्डर से भले ही हमें थोड़ी निराशा हुई, लेकिन चांद तक के इस सफ़र में फिर भी हमारी जीत है। इस बार का ऑर्बिटर पूर्वापेक्षा अधिक आधुनिक है। आंशिक विफलता के बावजूद हमने जिन लक्ष्यों को लेकर कर चन्द्रयान-2 भेजा, वह 98 प्रतिशत परिणाम देने वाला है। 22 जुलाई 2019 को इसका प्रक्षेपण किया गया और यह 7 सितम्बर(मध्यरात्रि) को चन्द्रमा के निकट पहुंच गया, लेकिन लैण्डर से धरती का सम्पर्क टूट गया।

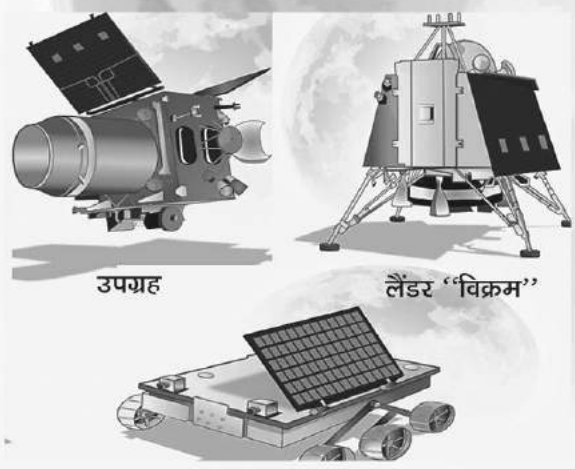

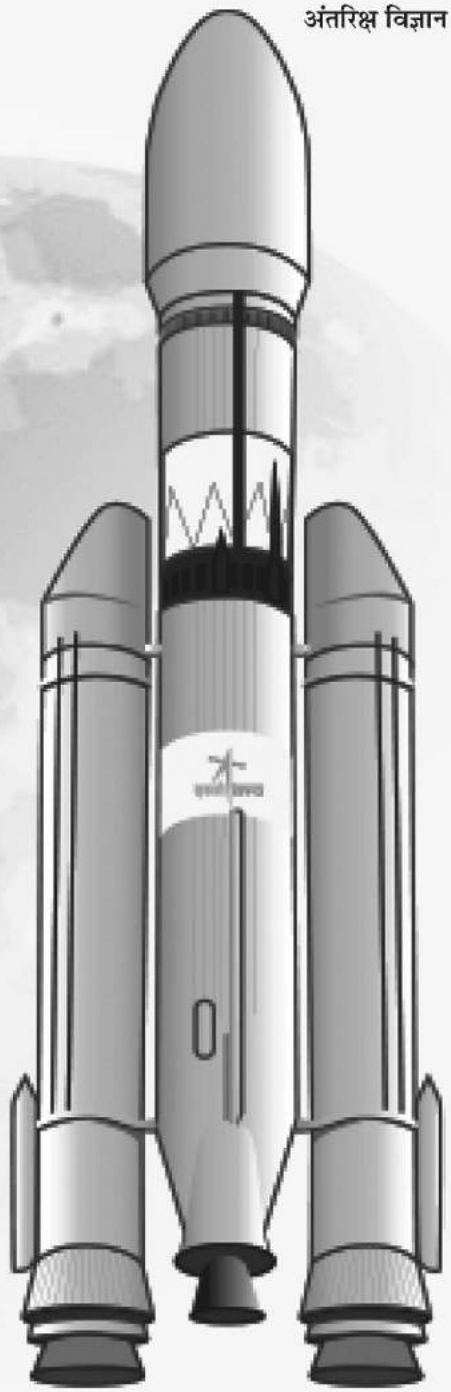

✍ पंकज शर्मा

चंद्रयान-2 की आंशिक सफलता के बाद भी भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी(इसरो) के हौसले बुलंद हैं। आगामी एक दशक में इसरो के पिटारे में मंगल ग्रह से लेकर शनि ग्रह तक के लिए कई महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट हैं जिन पर तेजी से काम चल रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी अगले कुछ वर्षों में सूर्य, मंगल, शुक्र ग्रह के लिए अपने उपग्रह भेजने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा इसरो वर्ष 2024 में एक बार फिर से चंद्रयान-3 के जरिए चंद्रमा की सतह को छूने का प्रयास करेगी।

आज चांद वाकई मानवता के रक्षक के तौर पर उभरता दिखाई पड़ता है। वहां पानी मिलने के प्रमाण मिले हैं। बताने की जरूरत नहीं कि बढ़ती आबादी के बोझ के साथ धरती पर पेयजल का संकट गहराता जा रहा है, इसलिए हमें अब वैकल्पिक ग्रहों की जरूरत महसूस हो रही है। चांद के साथ मंगल वैज्ञानिकों के आकर्षण का केन्द्र है, क्योंकि वहां भी जीवन के लिए जरूरी जल की पर्याप्त उपस्थिति है।

> हमें अपने रास्ते के आखिरी कदम पर रुकावट भले मिली हो, लेकिन हम इससे अपनी मंजिल के रास्ते से डिगे नहीं हैं। चंद्रमा को छूने की हमारी इच्छाशक्ति और भी मजबूत हुई है। हम अपने वैज्ञानिकों के साथ खड़े हैं और रहेंगे। हम बहुत करीब थे, लेकिन हमें आने वाले समय में और दूरी तय करनी है। सभी भारतीय आज खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हमें अपने स्पेस प्रोग्राम और वैज्ञानिकों पर गर्व है।'
>
> - नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

भारत के चंद्र अभियान को भी इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब कह रहे हों कि अब भारत और चीन को विकसित देश मान लेना चाहिए, तो अपने आर्थिक अंतर्विरोधों के बावजूद हमारे इस महादेश को दूर की सोचनी होगी। यूरोपीय स्पेस एजेंसी 2030 तक चंद्रमा पर 'इंटरनेशनल विलेज' बनाने की बात कह रही है। रूस की अंतरिक्ष संस्था रॉसकॉसमॉस ने एलान किया है कि वह 2025 तक चांद पर बस्ती बनाने का काम शुरू कर देगी। इसे 2040 तक पूरा कर लिया जाएगा। संसार का सबसे बड़ा लोकतंत्र ऐसे में आंखें मूंदकर नहीं रह सकता।

इसरो ने लैंडिंग के लिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का चयन करके जानबूझकर एक कठिन लक्ष्य रखा था। चांदके उन रहस्यों से दुनिया को परिचित कराना था जो अभी तक अबुझे हैं। भले ही चंद्रयान-2 अभियान का विक्रम नामक लैंडर चंद्रमा की दुर्गम मानी जाने वाली दक्षिणी ध्रुव की सतह से चंद कदम पहले ही ठिठक गया हो, लेकिन यह देखना एक दुर्लभ क्षण है कि इसरो के अध्यक्ष के, शिवन एवं उनके सहयोगी वैज्ञानिकों के साथ देश के आम और खास लोग यह मानकर चल रहे हैं कि अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ और कितनी भी कठिन चुनौती आए उससे पार पा लिया जाएगा। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि देश सारी दुनिया को समवेत स्वर में यह संदेश दे रहा है कि हम उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ ही बाधाओं का डटकर मुकाबला करना भी जानते हैं।

47 दिन में 3,83,998 किमी की दूरी तय की

- संपर्क टूटने से पहले चंद्रयान-2 के सफर का 0.0006% हिस्सा पूरा होना ही बाकी था। चंद्रयान-2 ने 47 दिन में 3,83,998 किमी की दूरी पूरी की।
- चंद्रमा के 100 किमी ऊपर कक्षा में चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर सुरक्षित है। यह एक साल चंद्रमा का चक्कर लगाएगा।
- इसरो के पूर्व चेयरमैन जी माधवन नायर ने कहा कि मिशन का 95% लक्ष्य पूरा हुआ है। माधवन के नेतृत्व में इसरो ने 2008 में चंद्रयान-1 भेजा था।

आठ पेलोड : सबके मकसद अलग

टेरेन मैपिंग कैमरा(टीएमसी)

1. चंद्रमा की सतह का नक्शा तैयार करेगा। टीएमसी से एकत्र आंकड़ों से हमें चंद्रमा के अस्तित्व में आने और उसके क्रमिक विकास के बारे में संकेत मिल सकेंगे और हमें चंद्रमा की सतह का 3डी मानचित्र तैयार करने में मदद मिलेगी।

लार्ज एरिया सॉफ्ट एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (सीएलएएसएस)

2. यह मैग्निशियम, एल्यूमिनियम, सिलिकॉन, कैल्शियम, टाइटेनियम, आयरन और सोडियम जैसे प्रमुख तत्वों की मौजूदगी का पता लगाने के वास्ते चंद्रमा के एक्स-रे फ्लोसेसेंस के स्पेक्ट्रा(व्यास) को मापता है।

सोलर एक्स-रे मॉनीटर(एक्स एस एम)

3. सूर्य और उसके केरोना से निकलने वाली एक्स-रे को देखकर इन किरणों के सौर विकिरण की तीव्रता मापता है।

ऑर्बिटर हाई रेजोल्यूशन कैमरा(ओएचआरसी)

4. लैंडिंग साइट(उतरने की जगह) के हाई रेजोल्यूशन चित्र उपलब्ध कराता है। यान से अलग होने से पहले यह सुनिश्चित करता है कि उस जगह कोई गड्ढा या चट्टान न हो। दो अलग-अलग कोणों से खींचे चित्रों से दोहरा फायदा होता है। पहला यह कि इनकी मदद से लैंडिंग साइट का डिजिटल एलीवेशन मॉडल तैयार किया जा सकता है और दूसरा यह कि उतरने के लिए यान से अलग होने के बाद वैज्ञानिक अनुसंधान में भी इनसे मदद मिलती है।

इमेजिंग आईआस स्पेक्ट्रोमीटर(आईआईआरएस)

5. चंद्रमा का खनिज-आधारित मानचित्र बनाना और जल/हाईड्रोक्सिल फीचर का पूर्ण चित्रण करना। चंद्रमा की सतह से परावर्तित(रिफ्लेक्ट) होने वाले सौर विकिरण(रेडिएशन) को भी मापेगा।

इ्यूअल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार(एल, एस)

6. ध्रुवीय क्षेत्रों में हाई-रेजोल्यूशन मानचित्र बनाना। ध्रुवीय क्षेत्रों में जमा पानी वाली बर्फ की मात्रा का अनुमान लगाना। बर्फीली चट्टान की मोटाई और उसके वितरण का अनुमान लगाना।

एटमॉस्फियरिक कंपोजिशन एक्सप्लोरर(चेस-2)

7. यह चार ध्रुवों वाला विशाल स्पेक्ट्रोमीटर है जिससे चंद्रमा के न्यूट्रल बाहरी वातावरण की स्केनिंग की जा सकती है। चेस-2 का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा के न्यूट्रल बाहरी वातावरण की संरचना और वितरण तथा उतार-चढ़ाव का अध्ययन करना है।

इ्यूअल फ्रीक्वेंसी रेडियो साइंस

8. चंद्रमा के आयनमंडल में इलेक्ट्रॉन डेंसिटी की अस्थीय उत्पत्ति का अध्ययन

सूरज और शुक्र पर निगाहें

इसरो सिर्फ चंद्रमा ही नहीं, अन्य खगोलीय पिंडो की तिलिस्मी दुनिया में भी सेंध लगाने की योजना पर काम कर रहा है। चंद्रयान-2 अभियान के बाद वह मंगल, शुक्र और सूर्य के गूढ़ रहस्यों से पर्दा उठाने के साथ ही अंतरिक्ष में पहला मानव मिशन भेजने के सपने को साकार करने की कोशिशों में जुट जाएगा।

आदित्य एल1 : 2019-2020

- सूर्य के कोरोना (बाहरी प्रभामंडल) और वायुमंडल के अध्ययन के लिए इसरो का पहला अभियान।
- प्लाज्मा से बना कोरोना सूर्य की दृश्यमान परत के ऊपर हजारों किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है
- इसका तापमान 10 लाख डिग्री केल्विन (करीब 9.99 लाख डिग्री सेल्सियस) से ज्यादा आंका गया है।
- यह आंकड़ा सूर्य की सतह के तापमान (6000 डिग्री केल्विन यानी लगभग 5726 डिग्री सेल्सियस) से कहीं अधिक है।
- कोरोनो कैसे इतना गर्म हो जाता है, यह वैज्ञानिकों के लिए अब भी अबूझ पहेली है, 'आदित्य एपल1' इसी का पता लगाएगा।

गगनयान : जनवरी 2022

- अंतरिक्ष में मानव मिशन भेजने वाला चौथा देश बनने के इरादे से दो से तीन अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस यात्रा पर रवाना करेगा भारत
- गगनयान का ढांचा, जीवनरक्षक प्रणाली और वातावरण नियंत्रण सिस्टम बनकर तैयार, बेंगलुरु में इसरो केन्द्र पर इनका परीक्षण जारी।

मंगलयान-2 : 2022-2023

- इसरो अपने दूसरे मंगल अभियान के तहत एयरोब्रेकिंग तकनीक से मंगल के अध्ययन के लिए ज्यादा मुफीद कक्षा में प्रवेश की कोशिश करेगा
- मंगलयान-1 की तरह ही लाल ग्रह की सतह की संरचना समझना होगा मकसद।

शुक्रयान : 2023-2025

- आकार, घनत्व, संरचना और गुरुत्वाकर्षण में समानता के चलते शुक्र ग्रह को पृथ्वी की 'जुड़वा बहन' कहा जाता है।
- माना जाता है कि पृथ्वी की तरह शुक्र भी 4.5 अरब वर्ष पहले गैस व धूल कणोंके द्रवीकरण से अस्तित्व में आया था
- पृथ्वी की तुलना में सूर्य से 30% ज्यादा करीब होने के कारण सौर विकिरणों के प्रति ज्यादा संवेदनशील, यही बनता है कौतुहल का विषय
- 'शुक्रयान' कार्बन डाईऑक्साइड से लैस शुक्र के वायुमंडल का अध्ययन करेगा।

चांद की धरती : उम्मीदों का आसमां

आज हम बेशक चंद्रमा और मंगल की बात करते हैं, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 1960 के दशक में यदि भारत ने खिलौने जैसे वे रॉकेट नहीं बनाए होते या केरल के थुंबा में एक चर्च से उसे लॉन्च न किया होता, तो आज इसरो इस मुकाम तक नहीं पहुंचता। जब हमने पहला रॉकेट बनाया था, तब सैटेलाइट बैलगाड़ी से लाए गए थे। रॉकेट के अलग-अलग पुर्जे साइकिल से ढोए गए। विक्रम साराभाई ने थुंबा को इसलिए चुना था, क्योंकि वहां से भूमध्य रेखा गुजरती है। उन्होंने तब यह कहा था कि देश का अपना लॉन्च व्हीकल होना उनका सपना है। यह ख्वाब उनके जीते-जी तो पूरा नहीं हुआ, लेकिन आज का भारत इस बात की तस्दीक करता है कि सपना देखना देश के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

आज इसरो जिस पायदान पर खड़ा है, वह किसी एक दिन की उपलब्धि नहीं है। विज्ञान किसी जादुई छड़ी से हासिल नहीं हो सकता। यह ऐसा विशेष ज्ञान है, जो लम्बे समय में धीरे-धीरे अर्जित किया जाता है। और, जब कोई बड़ी सफलता वैज्ञानिकों को हाथ लगती है, तो आम आदमी चौंक जाता है और फिर मानवता की हमारी समझ बदल जाती है।

– **गौहर रजा,** (पूर्व मुख्य वैज्ञानिक सीएसआईआर)

एक किलो चाय की पत्ती 75 हजार रुपए में बिकी

गुवाहाटी। गुवाहाटी टी ऑक्शन सेंटर ने एक किलो गोल्डन बटरफ्लाई नामक चाय की पत्ती को 75,000 रुपए में बेचकर एक और रिकॉर्ड बनाया। गोल्डन बटरफ्लाई एक खास तरह की चाय है जो डाकोम टी स्टेट में उगाई जाती है। यह डिब्रूगढ़ में स्थित है। जीटीएसी के सेक्रेटरी दिनेश बिहानी ने कहा कि यह चाय गुवाहाटी की सबसे पुरानी चाय की दुकान गुवाहाटी एम/एस असम टी ट्रेडर्स ने अपने ग्राहकों के लिए खरीदी है। उन्होंने इससे पहले भी रिकॉर्ड कीमतों पर खास चाय की पत्तियों की खरीददारी की है। चाय की दुनिया में जीटीएसी का अपना नाम है और यहां हर बार कोई न कोई रिकॉर्ड टूटता ही है।

ऐसा होता था बापू का हर दिन

✍ मीरा बहन

गांधी एक ऐसे व्यक्ति, जिनके पीछे चलता रहा पूरा भारत.... उनका लक्ष्य था सभी को मुकम्मल इंसान बनाने का.... हर किसी की आज़ादी का सपना था, उनकी आंखों में ..... उन्होंने भरपूर जिया अपने समय को और लोगों को भी जीना सिखाया.... सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर आज देश ही नहीं सारा विश्व उन्हें नमन कर रहा है। उनके विचारों का एक हिस्सा भी हम अपना लें तो जीवन सार्थक करने के साथ ही एक अच्छे समाज की रचना में अपना योगदान भी दे सकेंगे।

बापू दोनों समय प्रार्थना करते थे। बिना मसाले का खाना खाते थे। वे अपना हर काम अनुशासन से करते थे। मैं जब भी बापू के साथ होती तो उनके पास बैठती और कुछ समय के लिए जब वे मौन रखते तो उन्हें देखना अच्छा लगता। मैंने बापू के हाथों से नाजुक कुछ और नहीं महसूस किया। मैं उन्हें लिखते हुए देखती रहती और कभी थकती नहीं थी। वे अपने विचारों में लीन रहते थे। फिर धीरे से एक कागज का टुकड़ा उठाते और पत्र लिखने लग जाते। लेकिन उनके विचारों के लिए वह छोटा पड़ जाता। वे उसे मोड़ लेते। अब वह 3 इंच चौड़ा और 5 इंच लंबा हो जाता और वे फिर लिखने में लीन हो जाते। इसके बाद वे कुछ ढूंढने लगते। वह एक खादी का कवर था जिसमें कुछ कागजात रखे रहते थे। वे धीरे से खोलकर उसमें रखा लिफाफा निकालते। उस पर पता लिखते। लिखा हुआ कागज उसमें रखकर उसे भेजे जाने वाले पत्रों की एक बास्केट में रख देते। अब अगला पत्र। स्पष्ट रूप से थोड़ा छोटा होता, इसके लिए वे पोस्टकार्ड का उपयोग करते। हर बार की तरह उनके पास उनका फाउंटेन नहीं था। कहीं गुम हो गया। इसीलिए वे साधारण निब और होल्डर से लिखने लग जाते। स्याही की दवात उनके सामान में होना भी जरूरी था। जिस पर एक छोटी सी बॉटल रहती जो लकड़ी के स्टैंड में जिसमें पेन और पेंसिल भर रहते। जितनी बार वे लिखते बॉटल के मुहाने पर रखे पतरे के छोटे से ढक्कन में रखी स्याही में हलके से डुबोते। पोस्टकार्ड अब पूरा हो गया था और बास्केट में चला गया था। फिर से वे खादी का कवर उठाते। स्पष्ट था कि वे अब लेख लिखने जा रहे थे। उन्होंने बहुत सारे पन्ने उठा लिए थे। ये पस्ती के वे पन्ने थे जो बापू के बहुत सारे लेखन के बाद बच जाते थे। उनका पिछला हिस्सा खाली रहता था। वह लेखों के लिए काम में आ जाता था। बापू ने लिखना शुरू किया। लेख गंभीर विषय पर था ऐसा लग रहा था, शायद उस दिन की ज्वलंत समस्या को लेकर। बहुत ज्यादा केन्द्रित थे वे इस लेख पर, उनका चेहरा देखकर तो यही लग रहा था। लेख पूरा होने से पहले ही वे उनींदा महसूस करने लगे। पेन स्टैंड पर रखा गया, ढक्कन बॉटल पर लग गया। कागज भी एक तरफ संभालकर रखने के बाद बापू अपनी गद्दी पर लेट गए। अपना चश्मा उतारकर उसे तकिए के किनारे रख दिया। एक या दो मिनट में वे गहरी नींद में चले गए। और शांति से सांसें लेने लगे, बिल्कुल बच्चे की तरह। मैं उनके सिरहाने बैठकर रुमाल की मदद से मक्खियां भगाने लगी। ये पल मेरे लिए बहुमूल्य हैं। अत्यंत मीठे। गहन अनुभव से भरे हुए, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

> 'मैं रास्ता जानता हूं, जो बहुत ही सीधा लेकिन संकरा है। बिलकुल तलवार की धार की तरह। मैं उस पर चलकर खुशी महसूस करता हूं। मैं रोता हूं जब फिसल जाता हूं। भगवान कहते हैं : जो संघर्ष नहीं करता वह बर्बाद हो जाता है। मुझे इस बात पर पूरा विश्वास है। हालांकि मैं अपनी कमजोरी के कारण हजार बार फिसलूंगा। लेकिन मेरा विश्वास नहीं टूटेगा। मुझे विश्वास है, कि एक दिन उजाला जरूर दिखेगा जब चमक जीतकर आएगी। एक दिन जरूर...'
>
> - महात्मा गांधी

बापू से सीखें जीवन के छः सिद्धांत

पारदर्शिता

गांधीजी हमेशा कहते थे कि मेरे पास कोई भी गोपनीय तरकीबें नहीं है। सच को बचाने के लिए किसी तरह की कूटनीति में नहीं जानता। मैं अनजाने में थोड़ी देर के लिए भटक सकता हूं लेकिन हमेशा के लिए नहीं। मेरा जीवन खुली किताब की तरह है। मैं गोपनीयता को बढ़ावा नहीं देता।

स्वशासन

बापू कहते थे कि हम सभी काम करने के दौरान गलतियां करते हैं, कभी-कभी गंभीर भी। लेकिन मानव स्वशासित है। और स्वशासन शक्ति भी देता है। गलतियां करने और उन्हें सुधारने की। मैं दूरदर्शिता से सहमति नहीं रखता। मैं पृथ्वी से हूं। सांसारिक... जितनी कमियां आप में हैं उतनी ही मुझमें भी होंगी।

सकारात्मकता

गांधीजी ने कहा था कि यह सच है कि कई लोगों ने मुझे नीचा दिखाया, कुछ ने विश्वास भी तोड़ा, लेकिन मुझे पछतावा नहीं है। जब मैं समझता हूं कि असहयोग क्या है? तो मैं यह भी जानता हूं कि सहयोग क्या है। आसान तो यह है कि जब आपको लोगों में कोई सकारात्मकता न नजर आए तो भी उनकी हर बात को सम्मान दें।

लक्ष्य संधान

गांधीजी ने कहा था कि मेरा ध्यान उसी काम पर होता है जो मेरे सामने हो। फिर मैं चिंता नहीं करता कि उससे जुड़ी चीजें क्यों हैं? किसलिए हैं? इससे मुझे मदद मिलती है, उन बातों से बचने की जिन पर मेरा नियंत्रण नहीं है। जब तक हर व्यक्ति आत्मसम्मान का मालिक नहीं हो जाता, मेरा काम खत्म नहीं होगा।

हार नहीं

बापू कहते थे कि हार मुझे हतोत्साहित नहीं कर सकती। सिर्फ वश में कर सकती है। मैं जानता हूं भगवान मुझे मार्गदर्शन देंगे। अंधेरे समय में भी मुझे लगता है कि मेरे भीतर कुछ प्रज्वलित हो रहा है। मैं खुद उम्मीद को नहीं मार सकता। हां उम्मीद को साबित करने के लिए मैं कोई प्रदर्शन नहीं कर सकता।

अनुशासन

बापू कहते थे कि मैं हर देशवासी सत्य का पालन करे जिसमें त्याग हो क्योंकि, यह हर युद्ध से पहले काम आता है। फिर भले ही आप हिंसा को मानते हों या अहिंसा को। आपको त्याग और अनुशासन का पालन करना ही होगा। मैं यह बता देना चाहता हूं, मुझे दोस्तों से धोखे मिले हैं। लेकिन मैं अंतरात्मा की आवाज को नहीं नकार सकता।

ऐसे करें फ्रिज की देखभाल

✍ अनिल कुमार

फ्रिज आज हर घर की आवश्यकता है। गर्मी के मौसम में तो इसका महत्व और बढ़ जाता है। उचित देखभाल के अभाव में यह कीमती उपकरण शीघ्र खराब हो सकता है। इसके सही उपयोग के लिए इसकी विधिवत देखभाल ज़रूरी है।

फ्रिज को दीवार से सटाकर न रखें और हवादार स्थान पर रखने की दूरी न्यूनतम छह इंच तथ अन्य दो तरफ से दीवार से दूरी न्यूनतम चार इंच हो।

प्रत्येक सप्ताह फ्रिज की सफाई अवश्य की जानी चाहिए। फ्रिज की सफाई करने के पूर्व सर्वप्रथम विद्युत आपूर्ति बंद कर दें।

फ्रिज में कभी भी गर्म सामान नहीं रखें। गर्म सामान को पहले ठंडा होने दें, तब रखे। इसी तरह फ्रिज से निकाल कर कोई सामान तुरंत गर्म करने के लिए चूल्हे पर न चढ़ा दें। उसे पहले सामान्य तापमान में लौटने दें, तब जरुरत के मुताबिक सामग्री निकाल कर कोई सामान तुरन्त गर्म करें।

फ्रिज के चालू रहने पर दरवाजा देर तक खुला नहीं छोड़ना चाहिए। इससे फ्रिज के अन्दर का तापमान बढ़ेगा और ठंडा करने में अनावश्यक रूप से बिजली की खपत बढ़ेगी।

फ्रिज की बाहरी सतह पर बर्फ न जमने पाये। यदि जमे तो डीफ्रास्ट कर दें। यदि बर्फ जम जाये तो उसे चाकू या सिकी नोकदार चीज से उखाड़ने का प्रयास न करें। इससे फ्रिज खराब हो सकता है।

फ्रिज के तापमान को एकदम कम या ज्यादा न करें बल्कि धीरे-धीरे कम या ज्यादा करें।

यदि बर्फ क्यूब्स की जरुरत न हो तो आइस ट्रे में पानी न डालें। फ्रिज में एक बार बर्फ बन जाने के बाद उपयोग कर लें या फेंक दें किन्तु पिघल जाने के बाद पुनः बर्फ बनने पर इसका उपयोग नहीं करना चाहिए।

फ्रिज को झटके से बार-बार नहीं खोले। इससे फ्रिज का बल्ब फ्यूज हो सकता है और दरवाजे की चौखट पर लगी रबर खराब हो सकती है।

सुंदर फूल नहीं घास बनें

जन्म : 2 अक्टूबर, 1904 निधन : 11 जनवरी, 1966

✍ प्रिशा शर्मा

भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जीवन सादगी, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक था। गांधीवादी विचारधारा के प्रबल समर्थक शास्त्रीजी का जन्मदिन भी गांधीजी के जन्मदिन के साथ ही 2 अक्टूबर को देशभर में प्रेरणास्पद आयोजनों के साथ मनाया जाता है। उनका व्यक्तित्व मानव मात्र के लिए सबक है।

यदि इरादे पक्के हो तो परिस्थितियां कैसी भी हों, आपको आपनी मंजिल तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। यह सीख हमें लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से मिलती है। उनका बचपन पैसे के अभाव में बीता और छोटी उम्र में पिता को खोने के बावजूद उन्होंने अपने आदर्श व्यक्तित्व के निर्माण का सपना देखा और उस सपने को पूरा करने के लिए पूरी तरह केन्द्रित रहे। पैसे न होने पर वे गंगा नदी को तैरकर पार करते और स्कूल जाते। उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए अपने रिश्तेदारों के घरेलू काम भी किए।

मन की बात सुनें

हम सभी की अपनी खास प्रवृत्ति होती है, जो हमें भविष्य की राह पर बढ़ने की ओर प्रेरित करती है। इसे हम अपने मन की बात के रूप में भी समझ सकते हैं। यह हमें सही कार्य करने के लिए प्राकृतिक रूप से अग्रसर करती है। यदि आप अपने मन की बात सुनते हैं, तो निश्चित तौर पर अपने जीवन के सपनों को पूरा कर सकते हैं। यह बात भी शास्त्री सिखाते हैं। वे देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने की इच्छा से स्वाधीनता संग्राम आंदोलन से जुड़े और इसमें उन्होंने अहम योगदान दिया।

परिवार और कार्य में तालमेल

सच्ची सफलता वही है, जब आप अपने काम के साथ ही परिवार के साथ भी सही तालमेल बना कर रख पाते हैं। शास्त्री जी ने अपनी व्यस्तताओं के बावजूद परिवार का भी पूरा ध्यान रखा। यहां तक कि जब वे जेल में थे, तब भी उन्होंने अपनी मां, पत्नी और बच्चों का ध्यान रखने में कोई कसर नहीं रखी।

न करें दुरुपयोग कभी

लाल बहादुर शास्त्री के बेटे सुनील शास्त्री ने अपनी पुस्तक 'लाल बहादुर शास्त्री : मेरे बाबूजी' में उनके जीवन से जुड़े अनेक प्रसंग साझा किए हैं। एक बार उन्होंने अपने पिता की सरकारी कार चला दी। शास्त्री को यह बात नागवार गुजरी। उन्होंने किलोमीटर का हिसाब कर पैसा सरकारी खाते में जमा करवाया।

मेज पर हरी घास

शास्त्री की मेज पर हमेशा हरी घास रहती थी। जब उनसे लोग पूछते कि आप फूलों को मेज पर जगह क्यों नहीं देते, तो उनका जवाब होता... 'फूल लोगों को आकर्षित करते हैं, पर कुछ दिन में मुरझाकर गिर जाते हैं। घास वह आधार है जो हमेशा रहती है। मैं लोगों के जीवन में घास की तरह ही आधार बनकर रहना चाहता हूं।' उनका जीवन सादगी की परिचायक था।

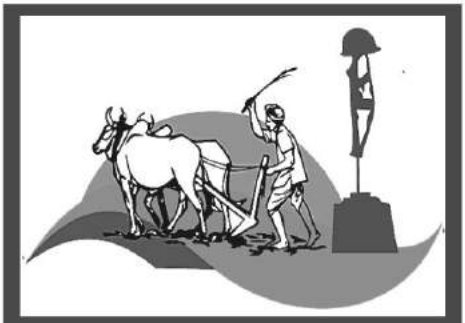

हर चीज का है उपयोग

गांधीवादी विचारधारा के समर्थक शास्त्री हर छोटी और पुरानी चीज को उपयोगी मानते थे। वे बहुत कम साधनों में अपना जीवन जीते थे। जब उनके कपड़े, खासतौर पर कुर्ते फट जाते तो वे उसे पत्नी को देकर उनसे रूमाल बनाने का अनुरोध करते। इससे यही सबक मिलता है कि जीवन में कोई चीज अनुपयोगी नहीं होती। बस समझदारी से उसका इस्तेमाल करने की जरूरत है।

देशहित है सर्वोपरि

शास्त्री के प्रधानमंत्रित्व-काल में देश ने अकाल व भुखमरी का सामना किया। विपत्ति की घड़ी में उन्होंने कहा था कि देश का हर नागरिक एक दिन का व्रत रखे, तो भुखमरी खत्म हो जाएगी। खुद वे भी नियमित व्रत रखते थे। परिवार को भी यही आदेश था। वे देश के प्रति निष्ठा को सभी निष्ठाओं से पहले मानते थे। यह पूर्ण निष्ठा है, क्योंकि इसमें कोई प्रतीक्षा नहीं कर सकता कि बदले में उसे क्या मिलता है।

भुला दें वैमनस्य को

हरिश्चंद्र इंटर कॉलेज में हाईस्कूल की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान उनसे बीकर टूट गया था। स्कूल के कार्मिक देवीलाल ने उन्हें इस गलती पर थप्पड़ मारा था। रेल मंत्री बनने के बाद 1954 में एक कार्यक्रम में शास्त्री जब मंच पर थे तो देवीलाल उन्हें दिखे। शास्त्री ने उन्हें पहचान लिया और मंच पर बुलाकर गले लगा लिया। वैमनस्य को भुलाने से न सिर्फ व्यक्तित्व निखरता है, बल्कि सोच भी सकारात्मक होती है।

कर्म मनुष्य का स्वधर्म

धरती पर श्रीकृष्ण का अवतरण एक अभूतपूर्व घटना थी। उन्होंने जीवन के हर रंग को उसकी समग्रता के साथ स्वीकार कर मनुष्य को भी समभाव से जीने का संदेश दिया।

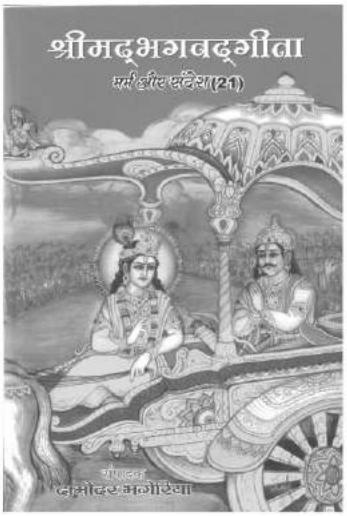

पृष्ठ : 106 मूल्य : 100 रु
पुस्तक प्राप्ति स्थान :
84, गीजगढ़ विहार,
हवा सड़क, जयपुर-302006

नई किताब

कौरवों के अधर्म और अन्याय के विरूद्ध कुरूक्षेत्र के मैदान में मोहग्रस्त पाण्डु पुत्र अर्जुन को घड़ी भर के संवाद में उस स्थिति में लाकर उन्होंने खड़ा कर दिया, जिससे वह यह कह पाया कि - 'कैसा मोह, कैसा शोक, मृत्यु का कैसा भय, जन्म-मरण की चिंता क्यों करनी, मेरा सारा मोह नष्ट होकर आत्मस्वरूप का स्मरण हो गया है।' यह तो कृष्ण ही हैं जो महारथी होते हुए भी अपने भक्त के लिए सारथी बनने में जरा भी नहीं हिचकते। श्री कृष्ण भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के ऐसे पात्र हैं जो जीवन के सर्वांग एवं पूर्णत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे ही सुन्दर भावों को लेकर श्री दामोदर भगेरिया, जयपुर द्वारा सम्पादित 'श्रीमद्भगवद्गीता : मर्म और संदेश' पुस्तक का 21वां भाग मई 2019 में प्रकाशित हुआ है। जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता के उपदेशों को केन्द्र में रखते हुए जीवन निर्माण सम्बन्धी देश के प्रबुद्ध विद्वानों और चिन्तकों के आलेख समाविष्ट किए गए हैं। पुस्तक के आरंभ में 'अपनी बात' में भगेरियाजी कहते भी हैं कि - 'देश में एक श्रेष्ठ कार्य-संस्कृति का अभाव अखरता है। हम अपने कर्तव्य-कर्म द्वारा एक-दूसरे को उन्नत करते हुए परम कल्याण को प्राप्त हो सकते हैं।' उनके इन विचारों और विद्वान-मनीषियों के आलेखों से रास्ता स्वत: बनता जाता है, जरूरत है सावधानीपूर्वक उस पर चलते रहने की। 'शुभाशंसा' में विश्वनाथ सिंहानिया ने उचित ही लिखा है कि - 'उद्यमशीलता सहज किताबी ज्ञान न होकर वस्तुत: ईश्वर और स्वयं में विश्वास में युक्त संजीवनी प्राण-शक्ति है। उद्यम-भाव से प्रेरित व्यक्ति इसी विश्वास के सहारे संसार में समस्त कठिनाइयों को पार करते हुए आगे बढ़ता जाता है और अपनी व्यक्तिगत सफलता से देश और समाज के जीवन में उपयोगी योगदान करता है।' इस सद्साहित्य के प्रकाशन-सम्पादन के लिए भगेरियाजी को साधुवाद तथा इस गुलदस्ते में महकते पुष्पों के चयन में रामजस वैश्य व बुलाकीदास भगत के योगदान का भी बहुमान। आशा है सुन्दर, सुखी, समरस और स्वस्थ समाज की रचना में इनके प्रयासों से ऐसा सद्साहित्य हम सबको आगे भी दिशाबोध कराता रहेगा।

- विष्णु शर्मा हितैषी

निवेदन

'प्रत्यूष' हिन्दी मासिक का नया अंक डाक एवं हॉकर के माध्यम से प्रति माह 27-28 को अपने ग्राहकों को भिजवाया जाता है। यदि सप्ताह भर में 'प्रत्यूष' आपके पते पर नहीं पहुंचती है, तो कृपया फोन नं. : **7597911992, 9414157703** पर सूचना दें। यदि पता बदल गया है, तब भी इस फोन नम्बर पर जानकारी दें ताकि नये पते पर पत्रिका भेजी जा सके।

Happy Deepavali

EVEREST DISTRIBUTOR'S

DISTRIBUTOR'S FOR

cello® Thermoware, Furniture	KENSTAR Home Appliances	BOSS® Home Appliances	IFB MICROWAVES
Symphony Coolar & Gizer	BP bluplast Thermoware & Gift's	Antiquity Cook N Serve-NonStick	Prestige Pressure Cookers
JCPL Bonchaina Crockery	USHA Appliances & Fan	Sunflame® Gas stove & Appliances	Jaipan Home Appliances

9-10-11, Jal Darshan Market, R.M.V. Road,
Behind Hotel Florance Continental, Udaipur - 313001

Ph. : 0294-2422075, 3203980, 6535075, E-mail : everestdistributors@gmail.com

बलूचों का कत्लेआम

जिनेवा में बलूच मानवाधिकार परिषद् का पाकिस्तान के विरोध में प्रदर्शन

✍ नंद किशोर

पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में कथित मानवाधिकार हनन का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंच पर चाहे जितना उठाता रहे, लेकिन यह सच है कि उसकी सेना बलूचिस्तान में जुल्म करने का हर रिकॉर्ड तोड़ रही है। पाकिस्तान के उदय के 72 साल बाद भी वहां के सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान को सबसे तनावग्रस्त इलाका माना जाता है। आर्थिक और सामाजिक पैमानों पर बलूचिस्तान पाकिस्तान के सबसे पिछड़े राज्यों में से एक है।

कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे पाकिस्तान के पाखंड को बलूच नेताओं ने उजागर कर दिया है। बलूच नेता मेहरन मैर ने कहा कि इस्लामाबाद बलूचिस्तान में नरसंहार और मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में बड़ी बेशर्मी से कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन का मुद्दा उठा रहा है। बलूच मानवाधिकार परिषद (बीएचआरसी) ने पिछले दिनों जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के सामने एक विशेष टेंट में द ह्यूमैनिटेरियन क्राइसिस इन बलूचिस्तान पर एक ब्रीफिंग का आयोजन किया। मेहरन ने कहा कि जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 42वें अधिवेशन में पाकिस्तानी विदेश मंत्री विदेशी पत्रकारों और मीडिया को कश्मीर में आमंत्रित कर रहे थे कि वह देखें कैसे लोग वहां रह रहे हैं। उस आदमी को कोई शर्म नहीं है कि वे बलूचिस्तान में नरसंहार और मानव अधिकार का उल्लंघन कर रहे हैं। बलूच नेता ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि वह उईगर मुसलमानों के खिलाफ शिनजियांग प्रांत में अपने अपराध में भागीदार चीन द्वारा किए गए मानवाधिकारों के हनन की अनदेखी कर रहा है। बलूच मानवाधिकार परिषद के आयोजक रज्जाक बलूच ने भी कहा कि पाकिस्तान बलूचिस्तान में जो कुछ भी कर रहा है उसे छिपाना चाहता है और कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र में रो रहा है, यह पाखंड है।

जबरन कराया विलय

अधिकतर बलोच मानते हैं जिस तरह से उन्हें पाकिस्तान में मिलाया गया वह गैरकानूनी था। जब अंग्रेज गए तो बलोचों ने अपनी आजादी घोषित कर दी और पाकिस्तान ने ये बात कुबूल भी कर ली। लेकिन बाद में वो इस बात से मुकर गए। इसके बाद मार्च 1948 में वहां पाकिस्तान की सेना आई और खान का अपहरण कर कराची ले आई। वहां उन पर दबाव डालकर पाकिस्तान के साथ विलय पर उनके दस्तखत कराए गए।

अपनों पर गिराए बम

1974 में जनरल टिक्का खां के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना ने मिराज और एफ86 युद्धक विमानों से बलूचिस्तान के इलाकों पर बम गिराए। यहां तक कि ईरान के शाह ने अपने कोबरा हेलिकॉप्टर भेज कर बलोच आंदोलनकारियों के इलाकों पर बमबारी कराई।

पाकिस्तान ने अस्तित्व में आने के साथ ही अपने नापाक इरादों को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया था। कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाने की हरसंभव कोशिश उसने की, लेकिन जब बात नहीं बनी तो उसने जम्मू और कश्मीर रियासत पर हमला कर दिया और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस रियासत में जमकर कत्लेआम मचाया। कश्मीर में लंबे समय तक उहापोह की स्थिति बनी रही जब कश्मीर के महाराज हरीसिंह ने विलय के कागजों पर दस्तखत किए तब तक पाकिस्तान कश्मीर के बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा जमा चुका था। आज भी पाकिस्तान के कब्जे में कश्मीर का काफी हिस्सा है।

आर्थिक और सामाजिक पिछड़ापन

सत्तर के दशक में पाकिस्तान की जीडीपी में बलूचिस्तान की भागीदारी 4.9 फीसद थी, जो साल 2000 में गिर कर सिर्फ तीन फीसद रह गई। बलोच लोग शिक्षा की दृष्टि से बहुत पिछड़े हैं। पाकिस्तान के सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी बहुत कम है।

चीन-पाक के खिलाफ

कुछ साल पहले चीन ने इस इलाके में चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरीडोर बना कर करीब 60 अरब डॉलर निवेश करने का फैसला किया था। वहां के मुख्यमंत्री का कहना है कि पाक सरकार ने हमें विश्वास में नहीं लिया। बिना हमसे पूछे ही योजना के लिए हामी भर दी।

भारत से अपील

बलूचिस्तान के कई नेता भारत से भी आग्रह कर चुके हैं कि उन्हें आजादी दिलाने में मदद की जाए। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी लाल किले से दिए गए अपने भाषण में बलूचिस्तान का जिक्र किया तो पूरी दुनिया का ध्यान उस तरफ गया था। यह पहला मौका था जब किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने इस तरह खुले-आम बलूचिस्तान का जिक्र किया था।

लद्दाख का हिस्सा

गिलगित के पूर्व में स्थित बलूचिस्तान को लद्दाख के साथ जनरल जोरावर सिंह ने विलय कर 1835 के करीब महाराजा गुलाब सिंह के राज में मिलाया था। रियासतकाल में बलूचिस्तान लद्दाख प्रांत का एक हिस्सा था। इस प्रांत का एक प्रमुख शहर आसकारदू है। बलूचिस्तान के 14 हजार वर्ग किलोमीटर में से 11 हजार पर पाकिस्तान का कब्जा है। पाकिस्तान ने 1963 में बलूचिस्तान और गिलगित के कुछ हिस्से चीन को तोहफे में दे दिए।

गिलगित

पाक के अवैध कब्जे वाले कश्मीर का दूसरा अहम हिस्सा गिलगित है। इसका नाम गिलगित नदी के नाम पर रखा गया। पाक अधिकृत कश्मीर का यह हिस्सा चीन और अफगानिस्तान से लगता है। पाक के द्वारा कब्जा कर लिए जाने के बाद भारत का अफगानिस्तान से जमीनी संपर्क पूरी तरह से समाप्त हो गया। इसकी सीमा चीन के सिक्यांग प्रांत से मिलती है और यहीं से यारकंद शहर को रास्ता जाता है।

मीरपुर

पाक के कब्जे वाले कश्मीर में जम्मू-कश्मीर राज्य के 6 में से 3 क्षेत्र आते हैं। पोठोहार क्षेत्र को आजाद कश्मीर का नाम देकर मुजफ्फराबाद को उसकी राजधानी बनाया गया है। इसमें मीरपुर पूरा जिला और पूंछ शहर को छोड़कर पूंछ की पूरी जागीर शामिल है। मीरपुर पाकिस्तान के लिए खास मायने रखता है। यहां झेलम नदी पर मंगला बांध बना हुआ है। इस बांध से पाकिस्तान को सिंचाई के लिए पानी और बिजली मिलती है। यह रावलपिंडी से 50 मील की दूरी पर है।

ट्रम्प का आतंकियों पर नकेल का नया आदेश

पाक तालिबान सरगना आतंकी घोषित

✍ संदीप गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 9/11 हमले की 18वीं बरसी से एक दिन पहले आतंकवादियों पर नकेल कसने के लिए एक नया शासकीय आदेश जारी कर किया। साथ ही ट्रंप ने पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन टीटीपी सरगना मुफ्ती नूर वली खान समेत 11 को वैश्विक आतंकी घोषित किया।

ट्रंप ने 11 सितम्बर 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमले की पूर्वसंध्या पर यह नया आदेश जारी किया। ट्रंप प्रशासन ने इस नए आदेश का इस्तेमाल करते हुए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान(टीटीपी) सहित 11 आतंकवादी संगठनों के 20 से अधिक सदस्यों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्टीवन म्नुचिन ने कहा कि नए आदेश से सरकार को आतंकवादी संगठनों के सदस्यों और आतंकवादी प्रशिक्षण में हिस्सा लेने वाले लोगों पर शिकंजा कसने में मदद मिलेगी।

अमेरिका ने पाकिस्तान में पनाह लिए हुए आतंकियों के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की। टीटीपी के सरगना मुफ्ती नूर वली महसूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि नूर वली के नेतृत्व में टीटीपी ने पाक में कई आतंकी हमले किए और उनकी जिम्मेदारी भी ली। इन हमलों में सैकड़ों लोगों ने जान गंवाई। टीटीपी का अलकायदा से काफी करीबी संबंध है।

पेशावर स्कूल हमले का जिम्मेदार टीटीपी : इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने टीटीपी संगठन को स्पेशियली डेजिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट (एसडीजीटी) घोषित किया था। टीटीपी के सरगना मुल्ला फजीउल्लाह के मारे जाने के बाद जून, 2018 में नूर वली को संगठन का प्रमुख बनाया गया था। टीटीपी ने दिसम्बर 2014 में पेशावर स्कूल में हमला किया था। इसमें 149 लोग मारे गए, जिनमें 132 बच्चे थे।

काबुल में धमाका

काबुल/न्यूयॉर्क। अमेरिका में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर(डब्ल्यूटीसी) पर 11 सितम्बर, 2001 में हुए हमले की 18वीं बरसी पर काबुल में अमेरिकी दूतावास के पास तड़के धमाका हुआ। नाटो मिशन ने किसी के हताहत ना होने की पुष्टि की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तालिबान के साथ शांति वार्ता समाप्त करने के बाद काबुल में हुआ यह पहला बड़ा हमला था। इससे पहले अफगानिस्तान के मैडन वर्दक प्रांत में अमेरिका के एयरस्ट्राइक में सात नागरिकों की मौत हो गई। यह हमला 8 सितम्बर को हुआ था। वहीं अमेरिका में 11 सितम्बर 2001 को अलकायदा द्वारा अपहृत विमानों को ट्विन टावरों से टकराकर किए हमले में मारे गए 3000 लोगों को याद करते हुए 11 सितम्बर को न्यूयॉर्क में श्रद्धांजलि दी गई।

इन संगठनों के सदस्य आतंकी घोषित

ईरान के कुर्द बल, हमास, आईएसआईएस, अल कायदा, फलस्तीन इस्लामिक जिहाद, साउथर्न लेबनान, हिजबुल्ला जिहाद काउंसिल और उनसे जुड़े समूह के लोगों को वैश्विक आतंकी घोषित किया।

Rajiv@75

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

"भारत एक प्राचीन देश, लेकिन एक युवा राष्ट्र है।
मैं युवा हूँ और मेरा भी एक सपना है, मेरा सपना है,
भारत को मजबूत, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और दुनिया के सभी देशों में से
प्रथम रैंक में लाना और मानव जाति की सेवा करना"

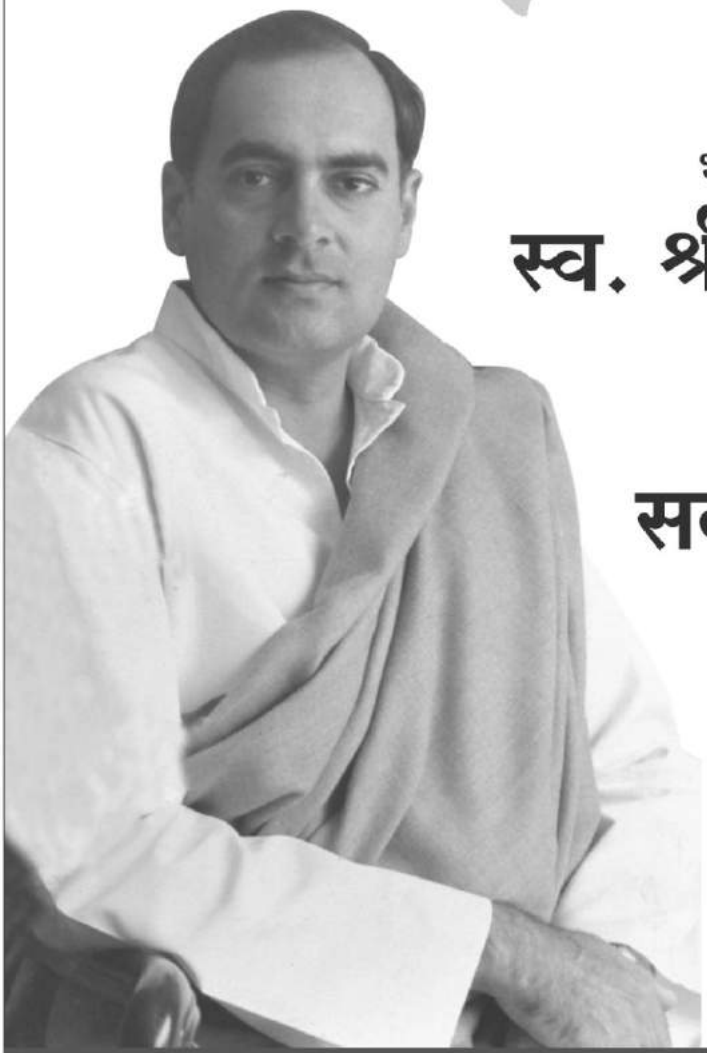

- राजीव गांधी

भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न

स्व. श्री राजीव गाँधी

(1944–1991)

जन्म दिवस - 20 अगस्त

सद्भावना दिवस

पर

शत्-शत् नमन

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान सरकार

अजय जोशी को अशोक सिंघल वैदिक पुरस्कार

भीलवाड़ा के वेद संस्थान को उत्तम वेद विद्यालय पुरस्कार

नई दिल्ली/प्रत्युष ब्यूरो। भीलवाड़ा(राजस्थान) के मुनिकुल ब्रह्मचर्य वेद संस्थान को भारतात्मा अशोक सिंघल वैदिक पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पुरस्कार हरिशंकर सिंह शर्मा ने स्वामी तेजोमयानंद पूर्व अध्यक्ष चिन्मया मिशन के हाथों से ग्रहण किया। सर्वश्रेष्ठ वैदिक छात्र का पुरस्कार तेलंगाना के अजय जोशी को मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ वैदिक अध्यापक का पुरस्कार कोलकाता के गगन कुमार चट्टोपाध्याय को दिया गया। पुरस्कार समारोह में विशिष्ट वेदार्पित जीवन पुरस्कार आर. आर. वेंकटरमन को दिया गया।

विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की याद में उदयपुर सिंघल फाउण्डेशन की ओर से भारतात्मा अशोक सिंघल वैदिक पुरस्कार दिया जाता है। पुरस्कार स्वरूप सर्वश्रेष्ठ छात्र को तीन लाख, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक को पांच लाख और सर्वश्रेष्ठ स्कूल या शिक्षण संस्थान को सात लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाता है। सिंघल फाउण्डेशन के ट्रस्टी

सलिल सिंघल ने बताया कि हिन्दुत्व के प्रखर पुरोधा और विचारक होने के साथ अशोक सिंघल वेदों के अच्छे ज्ञाता थे। वेद पढ़ना और वेदों के ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना उनका मिशन था। जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने वैदिक शिक्षा के कई विद्यालय और संस्थान खोले।

फाउण्डेशन के अन्य ट्रस्टी संजय सिंघल ने बताया कि पुरस्कार समारोह के लिए एक विशेष समिति बनाई गई है, जो हर साल 10 जून तक मिली एंट्रीज में से उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को सम्पादित करती है।

गौरवी ने बढ़ाया मेवाड़ का गौरव

हाल ही इंग्लिश चैनल पार करने वाली उदयपुर की जलपरी गौरवी सिंघवी का 11 सितम्बर को उदयपुर लौटने पर परिवार, समाज, सहपाठी, शिक्षक-प्रशिक्षक, खेल संगठनों तथा नारायण सेवा संस्थान सहित विभिन्न समाजिक संस्थाओं की ओर से भव्य स्वागत किया गया। वे इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे युवा तैराक बन गई हैं। सोलह वर्ष की इस जलपरी ने अपनी सफलताओं का श्रेय कठिन परिश्रम के साथ मां शुभ सिंघवी, पिता अभिषेक सिंघवी, प्रशिक्षक महेश पालीवाल को दिया है। इस होनहार तैराक ने ताजा करिश्माई रिकार्ड बनाने पहले गत वर्ष अरब सागर में जुहू बीच से गेट-वे-ऑफ इंडिया तक ओपन स्वीमिंग कर 47 किमी का समुद्री सफर 9 घंटे 22 मिनट में पूरा किया था। इस साल 23 अगस्त को गौरवी ने 13 घण्टे, 28 मिनट में इंग्लिश चैनल(लंदन के डावर से फ्रांस तक का करीब 40 किलोमीटर समुद्री हिस्सा) पार कर एक और कीर्तिमान रच दिया। लंदन के समय के अनुसार रात 2 बजकर 54 मिनट पर तैराकी शुरू की और 13 घण्टे 28 मिनट बाद शाम 4 बजकर 22 मिनट पर लक्ष्य हासिल किया। गौरवी राजस्थान में भक्ति शर्मा(उदयपुर) के बाद इंग्लिश चैनल को पार करने वाली दूसरी तैराक है। इंग्लिश चैनल पार करती गौरवी के साथ एक बोट में उसके माता-पिता और प्रशिक्षक भी थे। 16 डिग्री तापमान में पानी में उतरी गौरवी का विपरीत हवाएं और ज्वार भी रास्ता नहीं रोक सके। इस तरह झीलों की नगरी की इस बेटी ने अपने परिवार, समाज, शहर, प्रांत और देश की सभी बेटियों का गौरव फिर बढ़ाया।

मीणा ने किया पदभार ग्रहण

उदयपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा के उपमहाप्रबंधक आर के मीणा ने क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर में क्षेत्रीय प्रमुख के तौर पर कार्यभार ग्रहण किया। उपक्षेत्रीय प्रमुख प्रजीत कुमार दिवाकर, एस सी जाजू व क्षेत्रीय कार्यालय के कार्मिक मौजूद थे।

इस अवसर पर उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा की विश्वसनीय सेवाओं का जिक्र करते हुए सहकर्मियों से अपील की कि वे ग्राहकों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध रखते हुए उनके कार्यों को त्वरितता से निपटाएं।

हो राम कृपा, तब होए दिवाली

✍ पं. भानुप्रतापनारायण मिश्र

राम हमारे जीवन में मौजूद अमावस्या को केवल एक बार सुमिरन कर लेने पर ही उसे दिवालीमय बनाने में जुट जाते हैं। लेकिन हमें तो राम से डर लगता है। उनके मर्यादा पुरुषोत्तम आदर्शों से डर लगता है। माता-पिता, भाई, पत्नी, प्रजा, मित्र, शत्रु, साधु-संत, गरीब-अमीर, वनवासी सभी के प्रति उनका वेदसम्मत शास्त्रीय आचरण हमें दुष्कर लगता है। हां, हम अपनी संतान में राम सरीखे गुण चाहते हैं, लेकिन खुद यह जिम्मेदारी लेकर राम के पदचिन्हों पर नहीं चलना चाहते। उनका अनुकरण नहीं करना चाहते। हर माता-पिता राम जैसे पुत्र की कामना करते हैं, लेकिन यह इतना सहज नहीं है। इसलिए राम सहज कार्य भी नहीं करते, वह दुष्कर और समाज को दिशा देने वाले कार्य करते हैं। इसी प्रकार का कार्य अमावस्या भी करती है। उसका तो भोजन ही है – पाखंड, छल-कपट, जिसे हम हर साल दिवाली पर खत्म करने का प्रयास करते हैं। ज्ञानी मनुष्य हमेशा प्रकाश की ओर देखता है। हर प्रार्थना भक्त की इसी भावना की परिचायक है कि उसे राम का प्रकाश मिल जाए, जैसा उन्होंने अहिल्या, केवट, शबरी, सुग्रीव, विभीषण, रावण के परिजनों और तुलसीदास को दिया। उस तुलसीदास को, जिन्होंने हमें 'श्रीरामचरित मानस' के रूप में ऐसा ग्रंथ दिया, जिसके सुनने, पढ़ने, चिंतन-मनन से ही हम प्रकाशमय हो जाते हैं। एक कथा आती है। एक बार अंधेरे ने ब्रह्माजी से शिकायत की, 'सूरज लगातार मेरे पीछे लगा रहता है। वह मुझे नष्ट कर देना चाहता है।' ब्रह्माजी ने इस बारे में सूरज से कहा। इसके जवाब में सूरज ने कहा, 'मैं अंधेरे को नहीं जानता। फिर उसे समाप्त करने की बात तो दूर की है। संभव हो तो उसे मेरे सामने उपस्थित करें। मैं उसके दर्शन करना चाहता हूं।' ब्रह्माजी ने उसे सूरज के सामने आने के लिए कहा तो अंधेरे ने कहा, 'मैं उसके पास कैसे आ सकता हूं? अगर आ गया तो मेरा जीवन नष्ट हो जाएगा।' अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाने वाली कामना आज हर ज्ञानी मनुष्य चाह रहा है। और प्रकाश का यह रास्ता शुभ कर्म के जगने पर राम की कृपा से ही दिखाई देता है। इसीलिए हमारी दिवाली तो राम से ही जुड़ी है। फिर चाहे वह तुलसी के राम हों या कबीर के। निर्गुण हों या सगुण।

रावण, जो खुद शिवजी का परम भक्त था, वासना रूपी अमावस्या का शिकार हो गया। इसका परिणाम भी सब जानते हैं। अमावस्या तिथि पितरों की तिथि है। इस तिथि को सब प्रकार के भोग-विलास मना हैं। ऐसी अमावस्या, जिसमें हाथ को हाथ नहीं सूझता, ऐसे में नन्हे-से माटी के दीये के प्रकाशवान होते ही अशुभ अमावस्या दिवाली में बदल जाती है। इसी प्रकार हमारे अंदर मोह, लालच, अहंकार, काम-वासना, गुस्सा, संग्रह करने की प्रवृत्ति जैसे विषय-वासनाओं से भरे दीपक जलते रहते हैं। लेकिन जब हम पर रामजी की कृपा होती है, तब प्रेम, आस्था, संयम, ईश्वर के प्रति समर्पण से भरे दीपक सौम्य रूप में जलने लगते हैं। हमारी दीवाली सही मायनों में तब शुरू होती है।

मन के अन्धेरे को दूर करने का नाम है दिवाली। यह तेल भरे दीयों से दूर नहीं होता। दीये तो मात्र प्रेरक प्रतीक भर हैं। असल में यह पर्व थके और हारे हुए मनुष्य का अपने भीतर की कालिमा को दूर कर खुद के साथ-साथ सम्पूर्ण समाज को रोशनी से भर देने का संदेश देता है। और इसके लिए हमें राम से उपयुक्त और कोई दूसरा नज़र नहीं आता। दरअसल राम प्रतीक हैं, सत्य और आनंद के। जब ये दोनों मिलते हैं तो जीवन रोशनी से जगमगा उठता है।

महालक्ष्मी के प्रिय 'श्री सूक्तम'

लक्ष्मी पूजन सदैव नारायण पूजन के साथ करना चाहिए। लक्ष्मी की पूजा सदैव घर के ईशान कोण में करनी चाहिए, जहां पर बाहरी लोगों का आना-जाना न हो। लकड़ी के पटरे पर नया लाल रेशमी वस्त्र बिछा कर महालक्ष्मी की स्थापना करें। सुगंधित धूप व इत्र से महालक्ष्मी का आह्वान करें। पुष्प, फल, विभिन्न प्रकार के प्रसाद अर्पण करें। महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना कमल, लाल गुलाब व लाल कनेर से करनी चाहिए। नमकयुक्त भोजन का प्रयोग लक्ष्मी पूजन में कभी नहीं करना चाहिए। शुद्ध देशी घी का अखंड दीपक पूजा के स्थान पर पूरी रात जला कर रखें। लक्ष्मी पूजन के उपरांत एक चार बत्ती वाला मीठे तेल का दीपक घर के अंदर से जला कर लाएं तथा बाहर रख दें। महालक्ष्मी को 'श्री सूक्तम' एवं 'लक्ष्मी सूक्तम' अति प्रिय है, इसलिए दीपावली को रात्रि में 11 बार इसका पाठ करना चाहिए।

इस दिन घर के किसी भी भाग में अंधकार नहीं होना चाहिए। इस रात्रि को पितृ विसर्जन रात्रि भी कहा जाता है, क्योंकि दीपावली के पश्चात् पितर यमलोक को वापस प्रस्थान कर जाते हैं। यदि किसी जातक को पितृ दोष है तो उसका निवारण सहज ही इस अमावस्या को किया जा सकता है। नदी या सरोवर में दीपदान करने से पितृ दोष से शांति मिलती है।

अलग-अलग मान्यताएं

आमतौर पर दिवाली लंका विजय के बाद राम के अयोध्या लौटने की तिथि पर मनाई जाती है। पर कुछ क्षेत्रों में लोग दिवाली को यम और नचिकेता की कथा के साथ भी जोड़ते हैं। नचिकेता की कथा, जो सही बनाम गलत, ज्ञान बनाम अज्ञान, सच्चा धन बनाम क्षणिक धन आदि के बारे में बताती है।

नेपालियों के लिए यह त्योहार इसलिए महान है, क्योंकि इस दिन से नेपाल में नया संवत वर्ष शुरू होता है।

कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रूप धारण कर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के बाद लक्ष्मी और धन्वंतरि प्रकट हुए।

जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी को इस दिन मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसी दिन उनके प्रथम शिष्य, गौतम गणधर को ज्ञान प्राप्त हुआ था।

सिखों के लिए भी दिवाली महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन अमृतसर में 1577 में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। इसके अलावा 1619 में दिवाली के दिन सिखों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। इसके अलावा पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म और महाप्रयाण दोनों दिवाली के दिन ही हुआ।

दिवाली की रात

अंजुरि में भर लाई खुशियां
दिवाली की रात
तम के सायों से आई लड़ने
दिवाली की रात

गांव-नगर सब दमक उठे
दिवाली की रात
खिली रंगोली अंगना-अंगना
दिवाली की रात

अवनि-अम्बर भी लगे झूमने
दिवाली की रात
शीत गुलाबी ने दी दस्तक
दिवाली की रात

दीप ज्ञान का हो ज्योतित
दिवाली की रात
निर्मल मन, उज्ज्वल तन हो
दिवाली की रात

जन-जन बन जाएं स्वजन
दिवाली की रात
करें कामना सबके शुभ की
दिवाली की रात

दसों-दिशाएं हों, जगमग
दिवाली की रात
सबके घर छूटें फुलझड़ियां
दिवाली की रात

जहां अंधेरा, चलो बुहारें
दिवाली की रात
यत्न करें, हर रात बने
दिवाली की रात

- विष्णु शर्मा हितैषी

उदयपुर के पर्यटन का आकर्षण

मंशापूर्ण करणी माता रोप-वे

श्री कैलाश खण्डेलवाल : अद्वितीय प्रतिभा, कर्मठ एवं कुशल व्यक्तित्व के धनी, श्री कैलाश खण्डेलवाल का जन्म २३.०७.१९७० को श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल के यहा हुआ। इनकी माता का नाम प्रेम देवी एवं पत्नी का नाम श्रीमती पूनम खण्डेलवाल है। एक पुत्र व एक पुत्री हैं। कैलाश जी ने बाल्यावस्था से ही नौकरी न करके पिता की तरह व्यापार करने की ठानी और अग्रसर हो गये। इनके द्वारा स्थापित कम्पनी मनसापूर्ण करणी माता रोप-वे प्रा.लि. नींव का पत्थर बनी।

दूध तलाई और पिछोला झील के ऊपर सूर्य को चूमती अरावली की पहाड़ियों पर राजस्थान का पहला B.O.T. केबल कार–**मंशापूर्ण करणी माता रोप–वे** मचला पहाड़ी पर स्थित है। जहां मंशापूर्ण करणी माता मन्दिर और एकलिंग का किला स्थित है तक यह रोप–वे आपको पूरी घाटी के मनोरम दृश्य को निहारने का आनन्द प्रदान करते हुए पूर्व का वेनिस व झीलों की नगरी उदयपुर के शीर्ष स्थल पर ले जाता है। जहां अस्त होते सूर्य के साथ शहर की प्राकृतिक सुन्दरता को निहारा जा सकता है।

2. Under The Sun Aquarium:

यह मछलीघर भारत का सबसे बडा सार्वजनिक मछली संग्रहालय है यह 10,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। इसका उद्घाटन दिनांक 21 अक्टूबर, 2017 को किया गया था। इसमें विशेषता एवं प्रजाति के आधार पर मीठे एवं खारे पानी की लगभग 180 प्रकार की मछलियां पाई जाती है। जो कि भारत में सर्वाधिक है।

प्रमुख आकर्षण :

1. 3 D Live Art Gallery : यह मछली की विभिन्न 3डी कलाकृतियों पर आधारित विश्व का प्रथम कला संग्रहालय है। इन कलाकृतियों को विश्व प्रसिद्व कलाकार एवं अभिनेता श्री ए.पी. श्रीधर द्वारा बनाया गया है।

2. Touch Pool : इस पूल में आप अपना हाथ डालकर मछलियों को स्पर्श कर सकते हैं।

3. OMG Tank : यह अपनी तरह का विश्व का प्रथम मछली टेंक है जहा आप खुद को पानी के अन्दर महसूस कर पाऐंगे और वो भी अपने ऊपर बिना पानी की कोई बूंद गिरे।

Ticket Prices Rope-way
1. वयस्क : 110 रूपये प्रति टिकिट
2. बच्चें : 55 रूपये प्रति टिकिट

Note : Ticket Price With GST

Ticket Prices Aquarium
1. भारतीय वयस्क : 124 रूपये प्रति टिकिट
2. बच्चें : 62 रूपये प्रति टिकिट
3. विदेशी सैलानी : 248 रूपये प्रति टिकिट

Google Map location link - https://goo.gl/maps/qmp8DZjB2Kp7XYZ97 Facebook Link - https://www.facebook.com/underthesunaquarium/

श्री कैलाश खण्डेलवाल की प्रमुख उपलब्धियां एवं पुरस्कार :

1. राजस्थान की प्रमुख महत्वाकांक्षी एवं प्रथम BOT (Built Operate and Transfer) रोप–वे परियोजना का निर्माण एंव संचालन ।
2. रोप–वे परियोजना रिकार्ड 11.5 माह में पूर्ण की।
3. रोप–वे परियोजना को विगत 11 वर्ष से बिना किसी दुर्घटना व रूकावट के सफलतापूर्वक संचालित कर रहे हैं।
4. करणीमाता रोप–वे परियोजना में अब तक लगभग 40 लाख से अधिक लोगों को सफलतापूर्वक यात्रा करवा दी गई है।
5. Under The Sun Aquarium का निर्धारित समय 12 माह से पूर्व रिकार्ड 7 माह में कार्य पूर्ण किया।
6. विगत 2 वर्ष से Aquarium का सफल संचालन कर रहे हैं।
7. वर्ष 2012 में प्रमुख मीडिया समूह 'केशव नवनीत' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित।
8. Best innovative project के अन्तर्गत 'समय उद्यमी अवार्ड 2015' श्री कलराज मिश्र, माननीय मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग राजस्थान सरकार द्वारा सम्मानित।
9. वर्ष 2018 में Best innovative project हेतु Zee business Dare to dream award से सम्मानित।
10. सर्वश्रेष्ठ नवीन परियोजना के तहत 'केडीएफ कनेक्ट अवार्ड 2019' श्रीमान के.के. पाठक आयुक्त उद्योग विभाग राजस्थान सरकार द्वारा सम्मानित।
11. Federation of Rajasthan Trade and industry (FORTI) के सचिव के पद पर निर्वाचित। (FORTI) सम्पूर्ण राजस्थान के व्यापार और उद्योग की अग्रणी संस्था है जिसमें लगातार दूसरे वर्ष हेतु उद्योग एवं व्यापार से लगभग 10,000 सदस्य है।
12. CII Rajasthan द्वारा गठित startup task force 2019-20 के सदस्य है।

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप

'सोना' जीतने वाली सिंधु पहली भारतीय

✍ जगदीश सालवी

पुसरला वेंकटा सिंधु के पास कीर्तिमान बनाने की क्षमता तो हमेशा से रही है लेकिन 25 अगस्त को स्विट्जरलैण्ड के शहर बासेल में उन्होंने अपनी पुरानी-प्रतिद्वन्द्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को हरा कर अपने इस संकल्प को हक़ीकत में बदल डाला और विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक हासिल कर इतिहास रच दिया। सिंधू की यह उपलब्धि भारतीय बैडमिंटन के लिए एक नए युग की शुरुआत है।

छह साल पहले 2013 में पहली बार विश्व चैंपियनशिप में उतरने वाली पीवी सिंधु ने लगातार दो साल फाइनल में हारने का गतिरोध 25 अगस्त 2019 को तोड़ दिया। उन्होंने फाइनल मुकाबला जिस तरह एकतरफा अंदाज में जीता, उसका अंदाजा एक दिन पहले सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान ही हो गया था।

उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद चीन की चेन यू फेई को हराया था, उससे ही पता चल गया था कि वे बेहतरीन लय में हैं। उसी को बरकरार रखते हुए अगले दिन सिंधु ने खिताबी जीत हासिल की।

शुरू से दबाव बनाया : ओकुहारा के खिलाफ सिंधु ने अच्छी शुरुआत की और 5-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद वह 12-2 से आगे हो गई। लगातार तीसरे साल फाइनल में पहुंचने वाली सिंधु ने फिर मुड़कर नहीं देखा। ब्रेक के समय स्कोर लाइन 11-2 था। उसके बाद उन्होंने 16-2 की लीड लेने के बाद सिर्फ 16 मिनट में 21-7 से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सिंधु ने 2-0 की बढ़त के साथ शुरुआत करते हुए अगले कुछ मिनट में ही 8-2 की लीड कायम कर ली। ओलंपिक पदक विजेता इस भारतीय खिलाड़ी ने आगे भी आक्रामक खेल से अंक लेना जारी रखा। सिंधु ने मुकाबले में 14-4 की बढ़त बना ली। फिर लगातार अंक लेते हुए 21-7 से गेम और मैच समाप्त कर विश्व चैंपियनशिप नाम दर्ज करा ली।

दुनिया की एकमात्र खिलाड़ी : सिंधु ने इस टूर्नामेंट में 2013 में पहली बार भाग लिया था और उसके बाद से अब तक वह इसमें 21 मैच जीत चुकी हैं।

उनसे ज्यादा अब तक इसमें विश्व की किसी भी महिला खिलाड़ी ने पदक नहीं जीते हैं। सिंधु के नाम अब इसमें पांच पदक हो गए हैं। इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य हैं। सिंधु महिला एकल में एक स्वर्ण, रजत और कांस्य जीतने वाली विश्व की चौथी खिलाड़ी बन गई हैं। इनसे पहले चीन की तीन खिलाड़ी ली लिंगवेई, गोंग रूइना और झांग निंग यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। भारत की प्रसिद्ध महिला बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने 2015 और 2017 में इस टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीते थे। भारतीय पुरुषों में प्रकाश पादुकोण(1983) और बी. साई प्रणीत(2019) ने इसमें अब तक कांस्य पदक जीते हैं।

सिंधु ने क्वार्टरफाइनल में विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी ताइपे की ताइ जू यिंग को, सेमीफाइनल में विश्व रैंकिंग में तीसरे नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई को और फाइनल में विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी ओकुहारा को हराया। सिंधु इस साल इंडोनेशिया ओपन के फाइनल में पहुंची थीं। सिंधु ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप और वर्ल्ड टूर फाइनल्स में भी ओकुहारा को हराया था।

सिंधु की कभी हार न मानने वाली सोच और कोर्ट पर कड़ी मेहनत से सामने वाले को चित करने की क्षमता ने ही उनको यह पदक दिलवाया। 2017 में ओकुहारा ने ही ग्लासगो में हुई विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में सिंधु को हराया था। इसी जीत के साथ सिंधु ने अब चीन की जेंग निंग की बराबरी कर ली है जिन्होंने छह बार खेल में भागीदारी कर पांच मैडल जीते थे। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के इस रेकार्ड के साथ ही सिंधु के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि यह दर्ज हो गई कि विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सारे पदक जीतने वाली वे चौथी एकल महिला खिलाड़ी बन गई हैं। हालांकि पूर्व में विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक से चूक जाने की पीड़ा सिंधु को हमेशा रही और इसके लिए उन्हें आलोचनाओं का भी शिकार होना पड़ा था।

आखिर सिंधु ने ऐसा क्या नया किया कि हर बार की तरह वे फाइनल में डगमगाए बिना सफलतापूर्वक अपने दबाव को काबू में रख पाई। काफी हद तक इसका श्रेय उनकी फिटनेस को जाता है। उनके भीतर की इसी ताकत ने उन्हें क्वार्टर फाइनल में कड़े मुकाबले का सामना करने और एक मुश्किल मैच को काबू में करने की हिम्मत दी। सिंधु ने अपने खेल में बदलाव करते हुए तौर-तरीके बदले हैं और सुरक्षित खेलने की प्रवृत्ति से अलग हटते हुए मैच में शुरू से ही सामने वाले पर आक्रामक रुख अपनाने की शैली विकसित की है।

अर्जुन अवार्ड और पद्मश्री से सम्मानित सिंधु ने 2016 के रियो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद से अब तक पीछे मुड़ कर नहीं देखा है। 2017 के आखिर में उन्होंने अपनी अच्छी फॉर्म बरकरार रखते हुए इंडियन ओपन सुपर सीरीज भी अपने नाम की थी।

बनना चाहती थीं डॉक्टर

सिंधु की माता-पिता पीवी रमना और पी. विजया दोनों वॉलीबॉल खिलाड़ी रहे हैं। इसलिए वे बेटी को भी खिलाड़ी ही बनाना चाहते थे। उनकी इच्छा बहुत अच्छे से पूरी हुई, लेकिन एक ट्विस्ट के साथ। वह यह कि सिंधु की प्रारंभिक इच्छा खिलाड़ी बनने की नहीं थी। वे डॉक्टर बनना चाहती थीं। लेकिन 4-5 साल की उम्र में आकस्मिक रूप से एक बार जो बैडमिंटन का रैकेट उनके हाथ में आया तो फिर उनकी राह ही बदल गई। एक और बात कि सिंधु में विश्व में डंका बजाने की तीव्र उत्कंठा तो इसे कॅरियर बनाने के साथ ही पैदा हो गई थी, पर वे ऐसा कर सकती हैं, यह भरोसा उनमें 2012 में जगा, जब चाइना मास्टर सुपर सीरीज में उन्होंने उस समय की ओलम्पिक चैम्पियन चीन की ली जुरई को शिकस्त दे दी।

स्वर्ण कन्या का अगला लक्ष्य

सिंधु का अगला लक्ष्य ओलम्पिक का स्वर्ण पदक जीतना है। ओलम्पिक में रजत पदक तो वे हासिल कर ही चुकी हैं। पिछले तीन-चार वर्ष में उन्होंने खेल कौशल व शारीरिक दमखम के साथ जिस दृढ़ मानसिकता का परिचय दिया है, उसे देखते हुए खेलप्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि अगले साल टोक्यो में होने वाले ओलम्पिक गेम्स में स्वर्ण पदक पाने की राह उनके लिए कठिन नहीं होगी।

शिशु के लिए मां का दूध अमृत

✍ डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा

मां का दूध शिशु को प्रकृति प्रदत्त उपहार है। मां के दूध से बच्चे का पेट ही नहीं मन भी भरता है। दूध पीते समय अपने मां के शरीर से चिपकने से शिशु में सुरक्षा की भावना का विकास होता है। स्तनपान नहीं कराने का मुख्य कारण स्तन सौंदर्य पर नकारात्मक प्रभाव की मानसिकता है जबकि यह सच्चाई से कोसों दूर है। यदि संतुलित भोजन लिया जाए तो स्तनों के सौंदर्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। स्तनपान के दौरान मां को 500 कैलोरी अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ती है। स्तनपान चिकित्सकीय दृष्टिकोण से भी लाभकारी है। जन्म के बाद शुरुआती 30 मिनट बच्चे में चूसने की क्षमता अधिक होती है। बच्चे के जन्म के बाद शुरुआती दिनों में स्तन से जो पीले रंग का द्रव्य स्त्रावित होता है इसे कोलोस्ट्रोम कहते हैं। इसमें उपस्थित कॉरनेटिन शिशु के बुद्धि विकास एवं नेत्र ज्योति के लिए लाभदायक है। यह बेहद सुपाच्य है जिसकी वजह से डायरिया की आशंका न्यूनतम होती है। जन्म के बाद सामान्य पीलिया के लक्षण भी कोलोस्ट्रोम के कारण काफी कम हो जाते हैं, रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

स्तनपान से शिशु एवं माता दोनों को लाभ है। स्तनपान से शिशु के चेहरे एवं मुंह की मांसपेशियों का विकास होता है। शिशु की आहारनाल सशक्त होती है। स्तनपान नवजात शिशुओं के लिए दर्द निवारक(पेन किलर) का कार्य करता है। स्तनपान कराने वाली माताओं में ऑस्टियोपोरोसिस, स्तन कैंसर तथा अंडाशय के कैंसर की संभावना काफी कम हो जाती है। स्तनपान से गर्भावस्था के दौरान जमा हुई वसा तेजी से घटती है। स्तनपान का कोई विकल्प नहीं है और ना ही इसका विकल्प ढूंढने की आवश्यकता है।

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)
शुभ दीपावली
शुभ दीपावली
दीपावली के मंगल पर्व पर हार्दिक शुभकामनाऐं।
ये नूतन वर्ष आपको सुख और समृद्धि से परिपूर्ण करें।
JK TYRE
& INDUSTRIES LTD.
MEMBER J.K. ORGANISATION

संजीवनी है लद्दाख का 'सोलो'

लद्दाख का एक खास पौधा 'सोलो' इन दिनों अच्छी-खासी चर्चा में है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधान खत्म किए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा टेलीविजन पर देशवासियों के नाम सम्बोधन के दौरान उन्होंने इस पौधे का विशेष रूप से जिक्र करते हुए इसे 'संजीवनी बूटी' बताया था। आप भी जानिए कि क्या है सोलो नाम की यह जड़ी बूटी?

✍ आर. वी. श्रीवास्तव

'लद्दाख' में पाया जाने वाला सोलो नाम का पौधा हाई ऐल्टिट्यूड पर रहने वालों और बर्फीली जगहों पर तैनात सुरक्षाबलों के लिए संजीवनी का काम करता है। कम ऑक्सीजन वाली जगह में इम्यून सिस्टम को संभाले रखने में इसकी बड़ी भूमिका है।

ऐसे अनगिनत पौधे, जड़ी-बूटियां, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बिखरी हुई हैं। सोलो नाम की यह औषधीय बूटी साइबेरिया की पहाड़ियों में भी मिलती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह एक चमत्कारी जड़ी-बूटी है, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक प्रणाली को ठीक कर सकती है। यह रेडियोधर्मिता से भी बचाव करती है। वैज्ञानिकों ने इसे 'रोडियोला' नाम दिया है। रोडियोला ठंडे और ऊंचाई वाली जगहों पर पाई जाती है। स्थानीय लोग इसे सोलो कहते हैं और इसकी पत्तियों का सब्जियों में प्रयोग करते हैं।

- देश में लद्दाख ही एकमात्र जगह है जहां सोलो उगाई जाती है। यहां के स्थानीय वैद्य और आयुर्वेदिक डॉक्टर इस पौधे से दवाइयां बनाते हैं। वे मुख्यतः सोलो कारपो (सफेद) का प्रयोग करते हैं।
- ये पोधे 15 से 18 हजार फीट की ऊंचाई पर उगते हैं। लद्दाख में ये खारदुंगला, चांगला और पेंजिला इलाकों में मिलते हैं।
- लद्दाख के लोग इस पौधे के पत्तेदार भाग की सब्जी बनाते हैं, जिसे 'तंगथुर' कहते हैं। यह व्यंजन स्थानीय लोगों के बीच खासा प्रचलित है।

लेह स्थित डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ हाई एल्टीट्यूड रिसर्च (डीआइएचएआर) ने सोलो के इस्तेमाल पर शोध भी किया है। यह एक आश्चर्यजनक पौधा है, जो रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाता है, कठिन जलवायु की स्थितियों में शरीर को अनुकूल बनाता है और रेडियोधर्मिता से बचाव करता है। इस पौधे में सीकोंडरी मेटाबोलाइट्स और फायटोएक्टिव तत्व पाए जाते हैं, जो विशिष्ट हैं।' यह जड़ी बूटी बम या बॉयोकेमिकल लड़ाई से पैदा हुए गामा रेडिएशन के प्रभाव को भी कम करती है। लेह स्थित डीआरडीओ की प्रयोगशाला दुनिया की सबसे ऊंची जगह पर स्थित कृषि-जानवर शोध प्रयोगशाला है। जिसमें रोडियोला पर एक दशक से शोध हो रहा है।

'इस पौधे की एडेप्टोजेनिक क्षमता सैनिकों और कम दबाव और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में रहने वाले को अनुकूल होने में मदद कर सकती है, साथ ही इस पौधे में अवसाद-रोधी और भूख बढ़ाने वाला गुण भी हैं।' याददाश्त को भी बेहतर करती है। इसका इस्तेमाल अवसाद की दवा के तौर पर भी किया जाता है।

मुख्य तौर पर सोलो की तीन प्रजातियां है। सोलो कारपो (सफेद), सोलो मारपो(लाल) और सोलो सेरपो (पीला)। सोलो कारपो(सफेद) का औषधीय उपयोग ज्यादा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ती उम्र के प्रभाव से बचने में भी यह जड़ी-बूटी मददगार है। यह ऑक्सीजन में कमी के दौरान न्यूरॉन्स की रक्षा करती है। डीआरडीओ की प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने संस्थान की दो एकड़ जमीन में सोलो की खेती की है और इस पर लगातार शोध कार्य जारी है।

- (लेखक लेह स्थित डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ हाई एल्टीट्यूट रिसर्च के निदेशक हैं)

Your Trust Our Passion...

FIVE STAR BUILD ESTATE PVT. LTD.

A Real Estate & Construction

27, Ist Floor, Diamond Plaza, Opp. Choudhary Hospital,
Hiran Magri, Sec. 4, Udaipur (Raj.) 313002
Email: devvardar@gmail.com,
Mob.: 98295-62167, Ph.: 0294-2461186 (R)

Praman
Construction Pvt. Ltd.

Hemraj Vardar

Office: 9, Five Star Complex, Near Kumbha Nagar,
Hiran Magri, Sector No. 4, Udaipur-313001 (Raj.)
Telefax: 0294- (O) 2461648, (R) 2461186,
Mobile: 98299-48186
Email: pcpl.udaipur@gmail.com

Sister Concern:

D.V. CONSULTING STRUCTURAL ENGINEERS

Expert in Structure Design with Etabs, Safe, Sap, Staad
Email: dvardar@gmail.com

रेशमी धुनों के सर्जक खय्याम

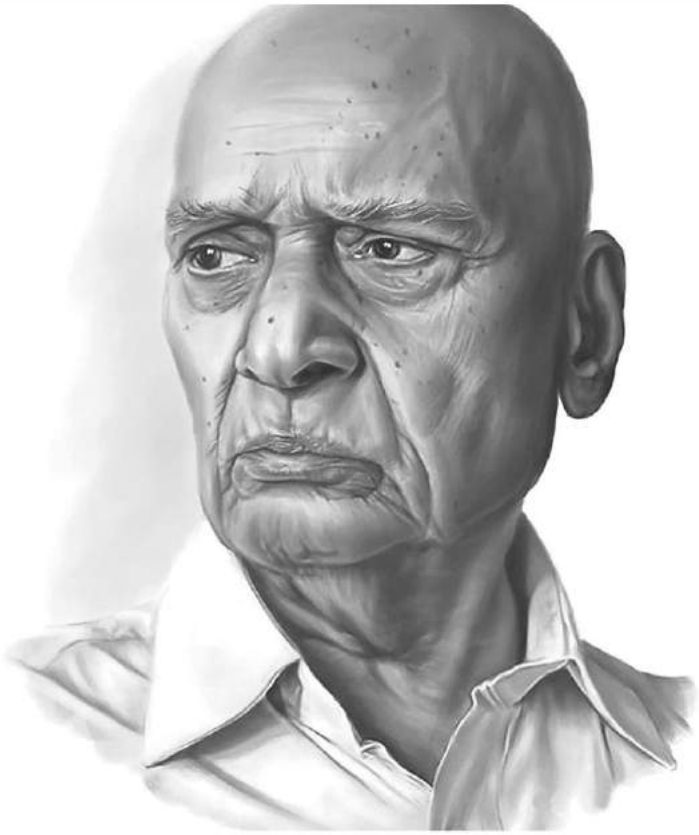

✍ राजेन्द्र सेन

शब्द, भाव और मौन की संवेदना को संगीत में पिरोने वाले शानदार शिल्पी और बेहद संजीदा इन्सान मोहम्मद ज़हूर खय्याम हाशमी ने अपने जीते-जी जितना और जैसा दिया, उसने न केवल उन गीतों को अमर कर दिया, बल्कि खुद उन्हें भी हर पल दर्ज हो रहे इतिहास के पन्नों पर स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कर दिया। 19 अगस्त, 2019 को दुनिया को 'अलविदा' कहने वाले खय्याम उन गिने-चुने संगीतकारों में से थे, जो खुद ही गीतों की धुनें तैयार करते थे।

पंजाब के नवां शहर में एक पारम्परिक जीवन-शैली वाले परिवार में जन्मे खय्याम ने किशोरावस्था पार करने के बाद जब सामने की दुनिया को देखना शुरू किया तो उस दौर में उन पर गायक और अभिनेता बनने का सुरूर चढ़ा। इसी जुनून ने उन्हें घर की दीवारों से आजाद कर दिया और फिर वे पहले दिल्ली और बाद में मुंबई पहुंच गए। लेकिन अभिनय के शौक से शुरू हुई बात आखिर संगीत सीखने तक पहुंची और फिर वही उनका सफ़र बन गया। फिल्मी दुनिया के अपने शुरुआती दिनों में खय्याम संगीतकार रहमान के साथ मिल कर संगीत तैयार करते थे और उनकी जोड़ी का नाम शर्मा जी और वर्मा जी था। लेकिन बाद में रहमान पाकिस्तान चले गए और खय्याम ने अपने बूते संगीत की दुनिया में अपनी जगह बनाई। 1947 में 'हीरा रांझा' से अपना सफर शुरू करने वाले खय्याम बाद के दिनों में 'रोमियो जूलियट' से आगे बढ़ते हुए 'कभी-कभी' और 'उमराव जान' जैसी फिल्मों तक पहुंचे, जिन्होंने उन्हें ऐसी ऊंचाई पर खड़ा कर दिया जहां वे जो हमेशा रहेंगे। इसके अलावा, सत्तर और अस्सी के दशक में 'त्रिशूल', 'खानदान', 'नूरी', 'थोड़ी-सी बेवफाई', 'दर्द', 'अहिस्ता-अहिस्ता', 'दिल-ए-नादान', 'बाजार', 'रजिया सुल्तान' जैसी फिल्में उनकी धुनों में मौजूद जिंदगी की गवाह हैं।

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने हमें कई बेजोड़ संगीतकार दिए हैं। ऐसे बहुत सारे नाम हैं। जैसे एस डी बर्मन, मदन मोहन, नौशाद, गुलाम मोहम्मद, अनिल विश्वास वगैरह। इन सभी का अपना अलहदा स्टाइल है। ये सब ऐसे महान कलाकार हैं, जिनके नाम और जिनकी कला को हमेशा याद रखा जाएगा। ये सारे संगीतकार आज भले हमारे बीच न हों, लेकिन उनका नाम अमर हो चुका है और उनका संगीत तो सदा हमारे कानों में गूंजता रहेगा। अब इसी फेहरिस्त में खय्याम साहब का नाम भी जुड़ गया है।

यह दिलचस्प है कि संगीत की दुनिया में जोर-आजमाइश करने से पहले खय्याम ने दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान एक सिपाही के तौर पर काम किया था। यानी यह माना जा सकता है कि गोलीबारी, धमाकों और तबाही से दो-चार दुनिया की त्रासदी और उसका हासिल देख लेने के बाद उन्होंने जिंदगी का रास्ता चुना और उसमें संगीत के जरिए अलग-अलग रंग भरे, जिसने अपने हर सुनने वाले को अपने संगीत का हिस्सा बनाया।

बहुत कम लोग जानते हैं कि 1962 के चीन युद्ध में देशवासियों की प्रेरणा हेतु उन्होंने साहिर लुधियानवी और जां निसार अख्तर के गीत 'वतन की आबरू खतरे में है' और 'आवाज दो हम एक हैं' को संगीतबद्ध किया था और जो आज तक

राष्ट्र प्रेम और सेवा का पर्याय बने हुए हैं। गैर-फिल्मी गजलों, गीतों और भजनों को उन्हीं के कारण यथोचित सम्मान मिलने लगा और आज तलक अगर बेगम अख्तर की गजल 'मेरे हमनफस, मेरे हमनवां' और रफी साहब का भजन 'पांव पड़ूं तोरे श्याम, बृज में लौट चलो' सराहे जाते हैं तो खय्याम की कारीगरी के कारण। इकलौते बेटे प्रदीप को खो देने के बावजूद, खय्याम दम्पती ने हौसला नहीं खोया। उन्होंने फिल्म इण्डस्ट्री को ही अपना सर्वस्व दान कर दिया। धर्म, संस्कृति और आंचलिक सीमाओं के परे, खय्याम का संगीत हमेशा अपनी रेशमी धुनों के कारण लोगों के दिलों को लुभाता रहेगा।

उनकी पत्नी जगजीत कौर उनकी प्रेरणा थी। अपनी सफलता का श्रेय वे पत्नी को ही देते थे क्योंकि वो जिस धुन का अनुमोदन करती थीं, उसी को वो गीत के लिए चुनते थे। खय्याम का अमर गीत 'तुम अपना रंजो गम अपनी परेशानी मुझे दे दो' (फिल्म-शगुन) जगजीत कौर ने ही गाया था।

60 के दशक में खय्याम ने कई फिल्मों में हिट म्यूजिक दिया, जिनमें 'शोला और शबनम' 'फुटपाथ' और 'आखिरी खत' शामिल थीं। 70 के दशक में खय्याम की सबसे यादगार कंपोजिशन आई यश चोपड़ा के साथ, जिनकी शुरुआत हुई 1976 में 'कभी-कभी' से। इस फिल्म में खय्याम ने अपनी काबिलियत साबित कर दी। 80 के दशक में खय्याम ने कुछ सबसे यादगार कंपोजिशंस तैयार किए। 1980 में आई फिल्म 'थोड़ी सी बेवफाई' इसका एक अच्छा उदाहरण है। लेकिन खय्याम का सबसे मशहूर संगीत सामने आया मुजफ्फर अली की फिल्म 'उमराव जान' में। इस साउंडट्रैक के लिए उन्हें 1981 में नेशनल अवार्ड भी मिला। उमराव जान के लिए खय्याम को 1982 में उनका दूसरा फिल्मफेयर अवार्ड मिला और ये सिलसिला फिल्म 'बाजार' के यादगार गानों के साथ आगे बढ़ गया। फिल्मों के अलावा खय्याम ने मीना कुमारी की उर्दू शायरी 'आई राइट-आई रिसाइट' के लिए भी संगीत दिया।

'पद्मभूषण' से सम्मानित खय्याम को 'उमराव जान' में बेहतरीन संगीत के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार तो दिया ही गया, वे संगीत नाटक अकादमी सम्मान से भी नवाजे गए। संगीत में संजीदगी और गहराई का जादू उतारने वाले खय्याम की शख्सियत का एक खास पहलू यह भी था कि उन्होंने व पत्नी ने अपनी जिंदगी भर की कमाई को एक ऐसे ट्रस्ट के नाम कर दी, जो जरूरतमंद कलाकारों की मदद करता है। यह ट्रस्ट उनके व एक मात्र दिवंगत पुत्र प्रदीप तथा पत्नी जगजीत कौर की स्मृतियों को समर्पित है।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

Kailash Agarwal
9414159130

Pankaj Agarwal
9414621211

YUVRAJ PAPERS

Yuvraj Papers

Papers | Printing | Stationery

11-A, Indira Bazar, Nada Khada, Near Bapu Bazar,
Udaipur - 313001 Phone :- + 91-294-2418586

email : info@yuvrajpapers.com

आयुष्मान : मेहनत का मीठा फल

'अंधाधुन' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

✍ मदन पटेल

अपनी पहली ही फिल्म 'विक्की डोनर' से अलग पहचान बनाने वाले आयुष्मान खुराना को हाल ही में 66वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह में फिल्म 'अंधाधुन' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला है। रेडियो जॉकी से शुरू हुआ उनका सफर टीवी से होता हुआ फिल्मों तक पहुंचा। वे जब भी पर्दे पर आते हैं, दिल जीत कर ले जाते हैं।

हाल ही में रिलीज हुई आयुष्मान खुराना की फिल्म 'आर्टिकल 15' को जहां लोगों ने हाथों हाथ लिया वहीं साल 2018 में उनकी फिल्म 'अंधाधुन' को अप्रत्याशित सफलता ही नहीं मिली बल्कि उसमें उनके कार्य को सराहते हुए राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। सफलता दर सफलता उनके लिए अपने सपने सच होने जैसा है। ख्याति के साथ-साथ पैसा भी अच्छा मिला और बॉलीवुड में एक मुकाम बन गया। वे बेहद खुशकिस्मत हैं कि उन्हें शुरू से ही अच्छी स्क्रिप्ट और अच्छे निर्देशकों के साथ काम करने को मिला। बड़ी स्क्रीन पर उनकी एक और फिल्म 'ड्रीम गर्ल' भी लाजवाब है जिसमें वे नए लुक और अन्दाज़ में हैं। इसकी कहानी बहुत उम्दा है। यह एक ऐसे इन्सान की कहानी है, जो अपनी आवाज़ और अपनी अदायगी से लोगों को सपने बेचता है। ज़िंदगी से हारे और उदास लोगों के जीवन में 'पूजा' नाम की लड़की बनकर खुशियों की बौछार करता है। इसमें उनकी मदद फिल्म की हीरोइन नुसरत ने भी की। वे कहते हैं कि पूजा बनने के बाद ही मुझे पता चला कि लड़की की ज़िन्दगी जीना सब कुछ अच्छे से कैरी करना कितना मुश्किल होता है। यह सच है कि 'किरदार' को लेकर मैं अपने करियर में जिस तरह का जोखिम उठाता हूं, उसका फायदा भी मुझे मिलता है। 'बधाई हो' सहित उनकी अब तक जो भी पांच-छ: फिल्में प्रदर्शित हुई हैं, उनसे वे बेहद प्रसन्न हैं, वे कहते हैं कि फिल्म से व्यावसायिक मुनाफा कमाने की उन्हें कभी चाह नहीं रही, लेकिन खुशकिस्मत हूं कि हर फिल्म ने व्यावसायिक मोर्चे पर भी बेहद शानदार प्रदर्शन किया। आयुष्मान को लेकर फिल्म 'बाला' भी सेट पर जाने वाली है। जिसमें उनके साथ होगी 'दम लगाके हईशा'(2015) और उसके बाद 'शुभ मंगल सावधान' में उनके साथ जोड़ी बनाने वाली प्रतिभाशाली अभिनेत्री भूमि पेडणेकर।

Happy Deepavali

Ph. : (0294) 2412377
Mobile : 9413811565

Santosh Dining Hall

Dal-Bati, Chapati, Rice, Gujarati Food & Pure Rajasthani Vegetable Food Etc.

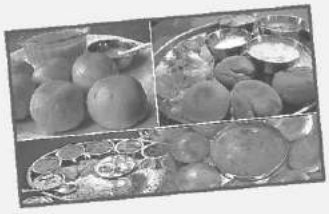

Ist Floor of Santosh Dal-Bati
Udaipur-313 001

Happy Deepavali

shreenath® Travellers

Vipin Sharma
Director

Head Office : 9, Kan Nagar, Main Road, Near Sub City Center

Udaipur Ph. : 0294 - 2488333, 2489555

Daily Parcel Service Available

Udaipur : 3, Yatri Hotel Udaipole, Udaipur 313 001
Ph. : 0294 - 2423181, 2423182

Fatehpura, Udaipur (Rameshwar)
Shreenath Travellers, Fatehpura
Ph. : 09571210045

रियो पैरालम्पिक-2016 की रजत पदक विजेता पैराएथलीट दीपा मलिक को राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने 29 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में देश के सर्वोच्च खेल सम्मान 'राजीव गांधी खेल रत्न' से सम्मानित किया। वे पैरालम्पिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

दीपा बनी 'खेल रत्न'

✍ पलक अग्रवाल

पचास वर्ष की उम्र के आते-आते 58 राष्ट्रीय और 23 अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाली दीपा मलिक के हौसलों के पंख उन्हें जिस ऊंचाई तक लेकर गए, उस पर हर भारतीय को गर्व है। देश का सर्वोच्च 'खेल रत्न' सम्मान प्राप्त कर उन्होंने साबित कर दिया कि यदि इरादे और आत्मविश्वास मज़बूत हो तो विकट से विकट हालात भी रास्ते के अवरोध नहीं बन सकते। उन्होंने अपने हौसलों के बूते पर विकलांगता को परास्त कर दिया। वे 'खेल रत्न' पुरस्कार पाने वाली दूसरी पैरा एथलीट (इससे पहले पैरा एथलीट देवेन्द्र झाझरिया यह पुरस्कार जीत चुके हैं) और पैरालम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

दीपा मलिक ने समर पैरालंपिक-2016 में शॉट पुट(गोलाफेंक) में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया था। हरियाणा के सोनीपत जिले के ग्राम में 30 सितम्बर 1970 को जन्मी दीपा ने आकस्मिक रूग्णता से भी जीवन में जमकर लोहा लिया और अन्ततः ज़िन्दगी की जंग को जीत लिया। इसके बाद वे लगातार आगे बढ़ती रहीं और हौसलों के फलक पर सफलताओं की इबारत लिखती चली गईं। 2018 में दुबई में पैरा एथलीट ग्रांड पिक्स में एफ-53/54 जेवलिन में स्वर्ण पदक जीता था। वे वर्तमान में एफ-53 श्रेणी में दुनिया की नंबर वन खिलाड़ी हैं।

दीपा ने सब-जीरो तापमान में 8 दिन, 1700 किलोमीटर की यात्रा करके रेड डी हिमालय की 18000 फीट की चढ़ाई की थी। इस यात्रा में दूरदराज के हिमालय, लेह, शिमला और जम्मू सहित कई कठिन रास्ते शामिल थे। इस चढ़ाई के साथ उन्होंने साबित कर दिया था कि वे मज़बूत आत्मबल और इरादों वाली हैं और उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता, चाहे वह शारीरिक विकलांगता हो या फिर लिंग या फिर उम्र ही क्यों न हों। दीपा का चलना-फिरना पिछले 17 साल से बंद है। दरअसल 17 साल पहले जब वे 30-32 साल की थीं, उन्हें रीढ़ में ट्यूमर हो गया था। इलाज के दौरान उनका 31 बार ऑपरेशन किया गया जिसके लिए उनकी कमर और पांव के बीच 183 टांके लगे थे। इसके बावजूद उन्होंने अपना हौसला नहीं खोया। दीपा कर्नल बिक्रम सिंह की

> "'मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि मैं हमेशा आगे देखती हूं। यह पूरी यात्रा विकलांगता के प्रति लोगों के दृष्टिकोण और विकलांगों में छिपी क्षमता को बदलने के बारे में अधिक रही है। मुझे लगता है कि इससे उन महिला एथलीट को प्रेरणा मिलेगी जो विकलांग हैं। स्वतंत्र भारत को पैरा-ओलम्पिक में पदक जीतने में 70 साल लग गए।'
>
> - दीपा मलिक"

पत्नी और दो बच्चों की मां हैं। यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है।

पैरा-एथलीट होने के साथ दीपा मलिक खेल मंत्रालय और शारीरिक शिक्षा पर 12वीं पंचवर्षीय योजना(2012-2017) में कार्य समूह की एक सदस्य है। दीपा एनएमडीसी के लिए 'स्वच्छ भारत' की ब्रांड एम्बेसेडर और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के 'स्मार्ट सिटी' प्रोजेक्ट के लिए विकलांगता समावेशी बुनियादी ढांचे की विशेषज्ञ सलाहकार भी हैं। खेल के लिए लेखनी और सामाजिक कार्यों में भी वे बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती हैं। दीपा ने 2011 में वर्ल्ड एथलेक्टिस चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता तो उसी साल शारजाह में वर्ल्ड गेम्स में दो कांस्य पदक जीते। 2012 में मलेशिया ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में जेवलिन व डिस्कस थ्रो में दो स्वर्ण पदक जीते। इसी साल 42 वर्ष की आयु में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने 2014 में चाइना ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप बीजिंग में शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीता था। 2017 में उन्हें देश के प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्होंने एशियन पैरा गेम्स 2018 में एक नया एशियाई रेकॉर्ड बनाया और 3 लगातार एशियाई पैरा खेलों(2010, 2011, 2018) में वे पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला हैं।

दीपा व्हीलचेयर पर जब यह सम्मान लेने पहुंची तो राष्ट्रपति ने खुद अपनी जगह से आगे आकर उन्हें यह अवॉर्ड प्रदान किया। उस समय पूरा दरबार हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उन्हें एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन बजरंग पूनिया(कुश्ती)के साथ संयुक्त विजेता घोषित किया गया था, जो कजाखस्तान में होने वाली आगामी चैंपियनशिप की तैयारियों में जुटे हैं। दीपा यमुना नदी में तैराकी और स्पेशल बाइक सवारी करके दो बार अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज करवा चुकी हैं। वह कहती हैं कि मेरे पिता सेना में अधिकारी रह चुके हैं और पति भी सेना में हैं। सेना में सिखाया जाता है कि खुद के साथ दूसरों के लिए भी काम करो। मैं देश की लड़कियों और दिव्यांग बच्चों को अपने सपने पूरा करने के लिए प्रेरित करना चाहती हूं।

इनको भी मिले अवार्ड

- राजीव गांधी खेल रत्न : बजरंग पूनिया (कुश्ती) और दीपा मलिक (पैरा एथलेटिक्स)।
- द्रोणाचार्य अवार्ड (नियमित) : विमल कुमार(बैडमिंटन), संदीप गुप्ता (टेबल टेनिस) और मोहिन्दर सिंह ढिल्लों(एथलेटिक्स)।
- द्रोणाचार्य अवार्ड (लाइफ टाइम) : मरजबान पटेल(हॉकी), रामबीर सिंह खोखर(कबड्डी) और संजय भारद्वाज(क्रिकेट)।
- अर्जुन पुरस्कार : तजिंदर पाल सिंह तूर (एथलेटिक्स), मोहम्मद अनस यहिया (एथलेटिक्स), एस भास्करन (बॉडीबिल्डिंग), सोनिया लाठेर (मुक्केबाजी), रवीन्द्र जडेजा (क्रिकेट), पूनम यादव (क्रिकेट), चिंगलेनसाना सिंह कंगुजम (हॉकी), अजय ठाकुर (कबड्डी), गौरव सिंह गिल (मोटर स्पोर्ट्स), प्रमोद भगत (पैरा स्पोर्ट्स बैडमिंटन), अंजुम मुद्गिल (निशानेबाजी), हरमीत राजुल देसाई (टेबल टेनिस), पूजा ढांडा(कुश्ती), फवाद मिर्जा (घुड़सवारी), गुरप्रीत सिंह संधू (फुटबॉल), स्वप्ना बर्मन (एथलेटिक्स), सुंदर सिंह गुर्जर (पैरा स्पोर्ट्स एथलेटिक्स), बी साई प्रणीत (बैडमिंटन) और सिमरन सिंह शेरगिल (पोलो)।
- ध्यानचंद अवार्ड : मैनुअल फ्रेडरिक्स (हॉकी), अरुप बसाक (टेबल टेनिस), मनोज कुमार (कुश्ती), नितिन कीर्तने (टेनिस), सी लालरेमसांगा (तीरंदाजी)।
- राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार : गगन नारंग स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन और गो स्पोर्ट्स तथा रॉयलसीमा विकास ट्रस्ट।
- मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी : पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार : अपर्णा कुमार (भू साहस), स्वर्गीय दीपांकर घोष (भू साहस), मणिकंदन के (भू साहस), प्रभात राजू कोली (जल साहस), रामेश्वर जांगड़ा (वायु साहस), वांगचुक शेरपा (जीन पर्यन्त उपलब्धि)।

मोदी 'ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड' से सम्मानित

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत में स्वच्छता की दिशा में किए गए अहम सुधार और उनके नेतृत्व के लिए बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने 24 सितम्बर को यहां एक भव्य समारोह में प्रतिष्ठित 'ग्लोबल गोलकीपर अवॉर्ड' से सम्मानित किया। फाउंडेशन के अनुसार इस पुरस्कार का उद्देश्य ऐसे राजनीतिक नेता को विशेष सम्मान प्रदान करना है, जिन्होंने अपने देश में या विश्व स्तर पर प्रभावशाली कार्यों के माध्यम से 'ग्लोबल गोल्स' के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। मोदी को स्वच्छ भारत मिशन में उनके नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू किया था।

महत्त्वाकांक्षी मिशन का लक्ष्य देशभर में स्वच्छता को बढ़ावा देना है। इस मिशन का उद्देश्य महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि स्वरूप देश में सार्वभौमिक स्वच्छता कवरेज को हासिल करने के प्रयासों में तेजी लाना है।

दो अक्टूबर 2019 तक खुले में शौच को खत्म करने के लिए अब तक 9 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं और वर्तमान में ग्रामीण स्वच्छता कवरेज भारत के 98 फीसद गांवों तक पहुंच गया है, जो चार साल पहले तक महज 38 फीसद ही था।

नृत्य सिर्फ कला नहीं जरिया है स्वस्थ रहने का

✍ मिताली जैन

नृत्य हमेशा से मानव संस्कृति और समारोहों का एक अहम हिस्सा रहा है। यह मनोरंजन के साथ-साथ आत्माभिव्यक्ति का भी बेहतरीन जरिया है। इतना ही नहीं, नृत्य एक ऐसी विधा है, जिसमें आप कुछ नया सीखते हुए शारीरिक व मानसिक स्तर पर खुद को स्वस्थ बना सकते हैं। इसके लाभों के बारे में जितना भी कहा जाए, वह कम ही है।

आज के समय में जब हर व्यक्ति किसी न किसी तरह की शारीरिक व मानसिक परेशानी से जूझ रहा है तो ऐसे में मात्र एक घंटा नृत्य करना भी उसके स्वास्थ्य के लिए किसी औषधि से कम नहीं है। नृत्य का प्रकार चाहे जो भी हो, यह आपके तन-मन को स्वस्थ बनाए रखता है। आजकल तो जिम व फिटनेस सेंटर्स में भी अलग से एरोबिक्स व जुंबा आदि की ट्रेनिंग होती है। अगर देखा जाए तो यह भी नृत्य का ही एक प्रकार है, जिसे खासतौर से फिट रहने के लिए किया जाता है। नृत्य से होने वाले शारीरिक व मानसिक लाभ इस प्रकार है-

वजन कम करे

नृत्य वजन कम करने का एक बहुत अच्छा उपाय है। जो लोग अपने बढ़ते वजन के कारण परेशान हैं, और डाइटिंग करना या जिम जाकर व्यायाम करना बोरिंग लगता हो, तो घर पर रहकर नियमित रूप से नृत्य करें। इससे धीरे-धीरे वजन कम होने लगता है। साथ ही यह मनोरंजक भी होता है। नृत्य शरीर को तो नृत्य के साथ संगीत आपके मन-मस्तिष्क को सुकून पहुंचाता है।

बढ़ता है ऊर्जा का स्तर

जो लोग नियमित रूप से नृत्य करते हैं, उनकी शारीरिक ऊर्जा का स्तर धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। शरीर का स्टेमिना व ऊर्जा का स्तर बढ़ने से व्यक्ति अपने दैनिक कार्यों में अधिक एकाग्र हो पाता है और उसे उचित तरीके से कर पाता है।

बेहतर मानसिक स्वास्थ्य

नृत्य शारीरकि स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। जब व्यक्ति उदास या तनावग्रस्त होता है और ऐसी स्थिति में संगीत के साथ नृत्य करता है तो उसका सारा तनाव दूर हो जाता है। इस प्रकार मूड को बेहतर बनाने और तनाव को कम करने में भी नृत्य बेहद सहायक है। इतना ही नहीं, नियमित रूप से नृत्य करने वालों की याददाश्त काफी अच्छी होती है। उन्हें डिमेंशिया व अन्य मानसिक बीमारियां होने की आशंका भी काफी हद तक कम हो जाती है। आजकल विभिन्न तरह की बीमारियों के उपचार के लिए नृत्य थेरेपी को बतौर इलाज इस्तेमाल किया जाने लगा है।

यह भी हैं लाभ

नृत्य करने के फायदे सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। इससे अन्य भी कई फायदे हैं, शरीर का लचीलापन बढ़ता है, बॉडी पॉश्चर में सुधार, अनिद्रा की समस्या से छुटकारा, रक्त प्रवाह बेहतर होना, रक्तचाप नियंत्रित होना, हड्डियों का मजबूत होना, शरीर में सकारात्मकता का संचार होना आदि। इस प्रकार संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए नृत्य एक बेहतरीन विकल्प है।

मौत भूली घर का रास्ता : 181 साल से जीवित है, मुरासी

नई दिल्ली। इस दौर में इंसान मुश्किल से 60-70 की उम्र तक जी पाता है। 70-80 की उम्र के बाद हर कोई बुजुर्ग अपनी मौत का इंतजार करता देखा जा सकता है और अपने आखिरी पलों के बारे में सोचने लगता है। लेकिन यहां तो वाकया ही उलट है। हम आपको बता रहे हैं ऐसे इंसान के बारे में जो पिछले 181 साल से

जीवित है और अपनी मौत का इंतजार कर रहा है। जी हां वाराणसी में रहने वाले महाष्टा मुरासी नाम का यह शख्स पिछले कई सालों से मौत का इंतजार कर रहा है लेकिन वो आने का नाम ही नहीं ले रही। मुरासी बताते हैं कि उनका जन्म जनवरी 1835 में बेंगलुरु में हुआ था। सन् 1903 में मुरासी वाराणसी रहने आ गए और तभी से वे वाराणसी में रह रहे हैं। उन्होंने 122 साल की उम्र तक मोची का काम किया। इस काम में मुरासी 1957 में रिटायर हुए। इनकी उम्र को देखते हुए लोग इन्हें दैवीय शक्ति बताते हैं। महाष्टा मुरासी कई बार अधिकारियों का अपने जन्म प्रमाण पत्र और पहचान पत्र भी दिखा चुके हैं। कई बार उनका मेडिकल टेस्ट भी किया जा चुका है लेकिन उनकी वास्तविक उम्र को लेकर डॉक्टर अभी भी आशंकित हैं। डॉक्टर्स मुरासी को कुदरत का करिश्मा ही मान रहे हैं।

- स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

पाठकपीठ

सितम्बर का अंक देखा। सबसे पहले सम्पादकीय 'पस्त पाकिस्तान की बौखलाहट' पढ़ा। सम्पदकीय किसी भी समाचार पत्र-पत्रिका की आत्मा होती है। हितैषीजी ने बड़ी बेबाकी के साथ जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्यधारा में शामिल करने के केन्द्र सरकार के प्रयासों को सभी देशवासियों से समर्थन देने की अपील की है। इसके साथ ही पाकिस्तान की बौखलाहट का भी सटीक चित्रण किया है।

- धनेश वैद्य

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के इस बयान पर कि 'अब पाकिस्तान से जो भी बातचीत होगी, वह सिर्फ पीओके पर केन्द्रित होगी' इसी विचार को आधार बनाकर सितम्बर के अंक में नंदकिशोर का आलेख 'अब सिर्फ पीओके पर बात' प्रभावी और तथ्यात्मक लगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने भी हाल ही में एक पत्रकार वार्ता में कहा कि 'एक दिन पीओके' भी भारत के नियंत्रण में होगा।

- बी. एस. पत्राबत
राजकीय अधिकारी

वेदव्यास के चिन्तनपरक आलेख 'लोकतंत्र के महाभारत का संजय : लालकिला' में देश की स्वतंत्रता के 72 वर्षों का विश्लेषण सार्थक लगा। आलेख में धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्रीयता की संकीर्णता और कट्टरता को लेकर आतंक, उग्रता और अलगाव की बातें न करने की लेखक सलाह से ही हम सही दिशा में आगे बढ़ पाएंगे।

- सम्प्रति दुग्गड़
सिविल इंजीनियर

'सितम्बर' का प्रत्यूष मिला। सम्पादकीय तो हर बार की तरह धारदार थी ही, नंद किशोर, वेदव्यास और जगदीश सालवी के आलेख भी विषय की गांभीर्यता के साथ पठनीय थे। अनुच्छेद 370 को हटाने को लेकर कुछ नेताओं की नकारात्मक टिप्पणियां ठीक नहीं लगी। 'तीन तलाक' पर फिरोज अहमद का आलेख भी सामयिक था।

- धीरज जेठा
व्यवसायी

Silver Art Palace
OLD SILVER & GOLDEN JEWELLER

OUR PRODUCTS :
Gold Jewellery with Precious Stones,
Precious & semi precious Stone Jewellery
Silver Jewellery with Stones,
Plain Gold Jewellery,
Victorian Jewellery
Kundan, Meena & Silver Jewellery,
Silver Articles,Silver Furniture,
Indian Handicrafts

Opp. Sahelion Ki Bari,8, New Fatehpura, Mewar Art Wali Gali, Udaipur (Raj.) INDIA
Telefax : +91 294 2414334, 2420914 (S) Email : silverartpalace@rediffmail.com
web : www.silverartpalace.com

ज्योति पर्व की स्पेशल मिठाई

दीपावली का त्योहार भारत की सांस्कृतिक धरोहर है। इस त्योहार पर हर घर में तरह-तरह के पकवान, मिठाईयां बनती हैं। मित्रों-रिश्तेदारों को सजे-धजे डिब्बो में मिठाई भेजना हर परिवार की परम्परा है। आप भी जानिए घर में ही सरल तरीके से बनाई जा सकने वाली शुद्ध और विशेष मिठाईयां.....

✍ उर्वशी शर्मा

मलाई बर्फी

सामग्री : 2 कप चुरा किया हुआ मावा(खोया), 1 चम्मच घी, 1/4 कप दूध, 1/8 चम्मच फिटकरी पाउडर, 1/2 कप शक्कर।

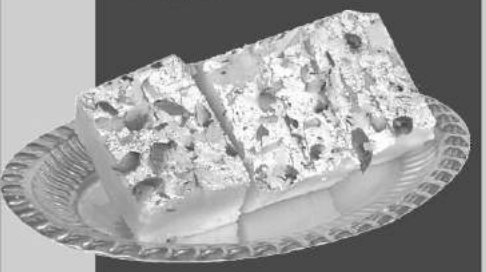

विधि : एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में घी गरम करें, मावा और दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आँच पर, लगातार हिलाते हुए 3 से 4 मिनट तक पका लें। फिटकरी पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए कुछ सेकण्ड तक पका लें। शक्कर डालकर अच्छी तरह मिला ले और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 4 मिनट तक पका लें। मावा के मिश्रण को चुपड़ी हुई एल्युमिनियम टिन में डालकर अच्छी तरह फैला लें। ढक्कन से ढककर दिन भर के लिए रख दें। मावा के मिश्रण को 10 भाग में बाँट लें। मिश्रण के प्रत्येक भाग को बटर पेपर में रखकर अच्छी तरह रोल कर लें। अपनी ऊंगलियों से हल्का दबाते हुए चपटा कर लें। कम से कम 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखकर तुरंत परोसें या फ्रिज में रखकर संग्रह करें और ठंडा परोसें।

रोस बर्फी

सामग्री : डेढ़ कप चूरा किया हुआ पनीर, आधा कप चूरा किया हुआ मावा, 5 चम्मच पिसी हुई शक्कर, गुलाब ऐसेन्स की कुछ बूंदें, लाल रंग की 4 से 5 बूंदें।

सजाने के लिए : 5 बादाम(आधे कटे हुए)

विधि : लाल रंग छोड़कर, सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 2 भाग में बाँट लें। एक भाग में लाल रंग डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। सफेद मिश्रण को एक 150 मिमी थाली में डालकर अच्छी तरह फैला लें। इसके ऊपर गुलाबी मिश्रण डालकर अच्छी तरह फैला लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज में रखकर ईंट आकार के टुकड़ों में काट लें। प्रत्येक टुकड़े को बादाम के आधे टुकड़े से सजाकर ठंडा परोसें।

एप्पल रबड़ी

सामग्री : सामग्री : 3 कप वसा भरपूर दूध, ढाई चम्मच शक्कर, तीन चौथाई कप छिले और कसे हुए सेब, 3 चम्मच हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम, आधा चम्मच इलायची पाउडर।

विधि : एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें। दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें।

लौकी खीर के साथ रसगुल्ला

सामग्री : 2 कप कसी हुई लौकी, तीन चौथाई कप छोटे रसगुल्ले, 3 कप दूध, 5 चम्मच शक्कर, 2 चम्मच चूरा किया हुआ मावा, एक चौथाई चम्मच इलायची पाउडर, 1 चम्मच कटा हुआ काजू, 1 चम्मच कटा हुआ पिस्ता, 2 चम्मच खरबूजे के बीज, 3 बूंद गुलाब का ऐसेन्स।

विधि : एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में दूध गरम करके उसे मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए पका लीजिए। उसमें लौकी डालकर अच्छी तरह से मिला लीजिए और उसे धीमी आंच पर 15 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए पका लीजिए। उसमें शक्कर और मावा डालकर अच्छी तरह से मिला लीजिए और उसे धीमी आंच पर 6 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए पका लीजिए। उसमें काजू, पिस्ता और खरबूजे के बीज डालकर अच्छी तरह से मिला लीजिए और उसे धीमी आंच पर 1 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए पका लीजिए। मिश्रण पूरी तरह ठंडा होने के लिए रख दीजिए। उसमें गुलाब का ऐसेन्स और रसगुल्ले डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए और उसे 2 से 3 घंटे के लिए रेफ्रीजरेट कीजिए। ठंडा परोसिए।

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. सोमालाल शर्मा

मेष

यह माह सामान्य सा प्रतीत होता है, दैनन्दिन कार्यों में सावधानी की आवश्यकता है, यात्राओं में परेशानी सम्भव है। आमदनी अच्छी परन्तु खर्च में भी अधिकता रहेगी। पेट-दर्द की समस्याएं हो सकती हैं, सन्तान पक्ष से चिन्ताएँ रहेगी, कार्य क्षेत्र सामान्य, नौकरीपेशा का स्थान परिवर्तन संभव।

वृषभ

किसी अच्छे व्यक्ति का सान्निध्य प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। जिम्मेदारियों की उपेक्षा का प्रयत्न न करें, बल्कि स्वीकार करें। परिवार में कुछ नया होगा, आय पक्ष सुदृढ़ बनेगा। माइग्रेनकी समस्या से परेशानी हो सकती है, कार्य क्षेत्र में उलझनें रहेंगी।

मिथुन

अनिर्णय की स्थिति रहेगी, अतीत से जुड़ा कोई सम्पर्क जुड़ सकता है। आर्थिक प्रगति में बाधा, इस महीने अधिक परिश्रम की आवश्यकता है। आहार-विहार पर सावधानी बरतें अन्यथा स्वास्थ्य गड़बड़ हो सकता है। किसी एक विषय पर ही ध्यान केन्द्रित करें, जिससे आगे लाभ मिल सके।

कर्क

यह माह नए अवसर प्रदान करेगा, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए समय अनुकूल रहेगा। परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा, कर्म को प्राथमिकता देवे, भाग्य के भरोसे न बैठें। जीवन साथी से सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। अटके हुए धन की प्राप्ति होगी, जिससे आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

सिंह

माह का उत्तरार्द्ध तनाव बढ़ा सकता है, परिवार में किसी बात को लेकर आपका मन दु:खी हो सकता है, जमीन-जायदाद के मामलों में अड़चनें सम्भव है। अनावश्यक लोगों से घनिष्ठता न बढ़ाएं, मन की बात हर किसी से न करें। स्वास्थ्य में गिरावट सम्भव, कर्म क्षेत्र की दृष्टि से समग्र उत्तम।

कन्या

नौकरी के लिए प्रयासरत लोगों को सफलता मिलेगी, रोजमर्रा व्यवसाय से लाभ। पैतृक विवाद बढ़ सकते हैं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ेगी, सन्तान पक्ष से शुभ समाचार, रक्त विकार से परेशानी हो सकती है, माह के पूर्वार्द्ध की योजना लाभ देगी।

तुला

नौकरीपेशा लोगों की तरक्की संभव, जीवनसाथी का सहयोग लाभप्रद होगा, किसी की व्यर्थ बातें व्यथित कर सकती हैं, पारिवारिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, तथ्यों को जानने के लिए छान-बीन अतिआवश्यक है, फिर आगे कदम बढ़ायें। सन्तान पक्ष सामान्य, दाम्पत्य जीवन मध्यम रहेगा।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
2.10.2019	आश्विन शुक्ल 4	गांधी/शास्त्री जयंती
6.10.2019	आश्विन शुक्ल 8	दुर्गाष्टमी
8.10.2019	आश्विनी शुक्ल 10	दशहरा/विजया दशमी
13.10.2019	आश्विन शुक्ल 15	शरद पूर्णिमा
17.10.2019	कार्तिक कृष्णा 3	करवा चौथ
25.10.2019	कार्तिक कृष्णा 12	धन्वन्तरि जयंती
27.10.2019	कार्तिक कृष्णा 14	दीपावली/लक्ष्मी पूजन
28.10.2019	कार्तिक कृष्णा 30/1	अन्नकूट/गोवर्धन पूजा
29.10.2019	कार्तिक शुक्ल 2	भैयादूज/यम द्वितीया/विश्वकर्मा पूजा
31.10.2019	कार्तिक शुक्ल 4	सरदार पटेल जयंती

वृश्चिक

नजदीकी लोगों के सम्बन्धों में मधुरता आएगी, यात्रा के प्रसंग बनेंगे, गुप्त शत्रु एवं रोग प्रकट हो सकते हैं, जमीन-जायदाद एवं स्थाई सम्पत्ति में अड़चनें आ सकती हैं, आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा, व्यापार में अनुकूलता नहीं रहेगी। नौकरी पेशा जातकों का स्थान परिवर्तन सम्भव, पैरों का दर्द परेशानी दे सकता है।

धनु

सामाजिक कार्यों में उपलब्धियाँ रहेगी एवं भागीदारी बढ़ेगी, वाणी में संयम रखें। आर्थिक पक्ष में बाधाएँ आएंगी। विचलित मन कई तरह की परेशानियाँ का कारण बनेगा, खर्चों में कटौती करनी पड़ेगी, स्वास्थ्य उत्तम, संतान सुख पर्याप्त एवं दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

मकर

आय के नये आयामों से आर्थिक दृढ़ता मिलेगी, नित्य के कार्यों में असमर्थता महसूस होगी, भय, शंका एवं लालच जैसी नकारात्मकता हावी होने की कोशिश करेगी, नौकरी वालों को तरक्की एवं व्यापारिक निवेश लाभकारी रहेगा, संतान पक्ष हर्षोल्लास देगा, स्वास्थ्य में लापरवाही हरगिज न करें।

कुम्भ

व्यवसाय में साझेदारी नुकसानदेह हो सकती है। कार्य क्षेत्र में बेवजह किसी से न उलझें, माह का प्रारम्भ कुछ आर्थिक समस्याएं दे सकता है, लेकिन अंतत: आर्थिक स्थिति बेहतर होने लगेगी, भाग्य का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन में तालमेल का अभाव रहेगा, बाहर के खाने से परहेज करे।

मीन

व्यापार में उतार-चढ़ाव, नौकरीपेशा संयम बनाये रखें, व्यवसायी कोई भी नया कार्य शुरू करने से परहेज करें। किसी खास मित्र के आने से आपको लाभ मिलेगा, शत्रु पक्ष हावी होने की कोशिश करेंगे एवं कार्यों में बाधाएँ पहुंचाऐंगे। संतान पक्ष सुखद, आकस्मिक यात्रा के योग हैं।

श्रीसीमेन्ट ने बांटी शिक्षण सामग्री

बांगड़ सिटी रास। श्री फाउण्डेशन ट्रस्ट(श्री सीमेन्ट लि.) रास द्वारा पिछले दिनों सामाजिक सरोकार कार्यों के तहत राजकीय संस्कृत उच्च प्राथमिक विद्यालय, खेड़ा व जवानगढ़ के छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री, दरी आदि सहित स्कूल परिसर में हरितिमा विकास के लिए छायादार पौधे वितरित किए गए। कम्पनी के वरिष्ठ प्रबंधक अमरीष शर्मा, प्रबंधक गिरिधारी सिंह, विशाल जायसवाल व भरत सिंह राठौड़ ने सामग्री वितरण करते हुए बताया कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार एवं स्कूल परिसरों में हरियाली विस्तार में कम्पनी अपने दायित्व का जिम्मेदारी के साथ निर्वाह करेगी।

इन्दिरा आईवीएफ के दो और केन्द्र

उदयपुर। फर्टिलिटी चेन इंदिरा आईवीएफ हॉस्पीटल प्रा. लि. ने हैदराबाद और सिकन्दराबाद में हॉस्पीटल का शुभारम्भ किया। हॉस्पीटल में दंपतियों को रियायती दरों पर आधुनिक उपचार सुविधा मुहैया करवाई जाएगी। दिलसुख नगर हैदराबाद में ग्रुप का 72वां और सिकन्दराबाद में यह ग्रुप का 73वां हॉस्पीटल है। ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया ने कहा कि निसंतानता की समस्या जिस तेजी से उभरी है, उसके इलाज के उपाय भी हुए हैं। आईवीएफ स्पेशलिस्ट डॉ. शिल्पा रेड्डी ने कहा कि आईवीएफ की सफलता दर बहुत कुछ भ्रूण वैज्ञानिक एवं उन्नत लेब पर भी निर्भर करती है। आईवीएफ स्पेशलिस्ट डॉ. स्वाति ने कहा कि नि:संतान दंपतियों को इलाज करवाने में देरी नहीं करनी चाहिए। देरी से महिला की गर्भधारण की संभावनाएं घटती हैं।

पीआईएमएस में छात्रों का प्रवेशोत्सव

उदयपुर। पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज(पीआईएमएस) उमरड़ा में पिछले माह एमबीबीएस सत्र 2019-20 के नए छात्रों का प्रवेशोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीआईएमएस के चेयरमैन आशीष अग्रवाल एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शीतल अग्रवाल थे। आशीष अग्रवाल ने कहा कि यह संस्थान छात्रों के मेडिकल शिक्षण में अधुनातन अध्ययन एवं आवश्यक सुविधाओं से परिपूर्ण है। शीतल अग्रवाल ने छात्रों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

बार टेंडिंग कोर्स की शुरुआत

उदयपुर। बलीचा स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेन्ट कैटरिंग व ट्यूरिज्म में प्रथम बार टेंडिंग कोर्स की शुरुआत हुई। मुंबई स्थित ड्रिंक अकादमी के साथ तीन माह वाले कोर्स को लेकर विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। प्रदर्शन में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शत-प्रतिशत प्लेसमेंट असिस्टेंस दिया जाएगा। संस्थान के अकादमिक निदेशक तरुण सहगल ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी संस्थान में आवेदन कर सकते हैं।

नया अकादमिक सत्र शुरू

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल का नया अकादमिक सत्र सितम्बर के प्रथम सप्ताह से शुरू हुआ। चेयरमैन राहुल अग्रवाल और प्रीति अग्रवाल ने छात्रों का अभिनंदन कर उन्हें कामयाब चिकित्सक बन समाज के हर वर्ग की सेवा का संकल्प दिलाया। वाइस चांसलर डॉ. डी. पी. अग्रवाल, पीएमसीएच के प्रिंसिपल एवं नियंत्रक डॉ. ए. पी. गुप्ता आदि मौजूद थे।

सेवानिवृत्तों का सम्मान

उदयपुर। दी उदयपुर महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक की 25वीं आम सभा सुखाड़िया रंगमंच में 25 अगस्त को हुई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मीनाक्षी नागर ने बताया कि बैंक को वर्ष 2018-19 के लिये कर चुकाने के बाद 1.23 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ है। बैंक का शुद्ध एनपीए 0 प्रतिशत, जमाए 238.23 करोड़ रुपए और ऋण एवं अग्रिम 106.95 करोड़ रुपए रहा। अध्यक्षता पुष्पा सिंह ने की। उत्कृष्ट कार्य के लिये सेवानिवृत्त अधिकारी नजमुद्दीन हैदरी, एस. के. चित्तौड़ा, एस. सी. जैन का सम्मान किया गया। प्रबंधक प्रीति झामरिया व संचालक स्वाति माहेश्वरी ने भी विचार व्यक्त किए।

कॉन्टीनेन्टल टफ ग्लास का उद्घाटन

उदयपुर। मादड़ी रोड नं. 5 पर कॉन्टीनेन्टल टफ ग्लास प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का उद्घाटन कमरुद्दीन फतेह ने किया। कम्पनी के संरक्षक जुल्फिकार अली फतेह ने बताया कि विभिन्न प्रकार एवं साइज में टफन किए गए ग्लास यहां उपलब्ध हैं। ये ग्लास लकड़ी के स्थान पर आसानी से एवं सस्ती दर पर लगाए जा सकते हैं।

चित्तौड़ भूमि विकास बैंक पुरस्कृत

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड ने वर्ष 2018-19 के दौरान ऋण वसूली में पुन: राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जयपुर में राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास लि. की 65वीं वार्षिक बैठक के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में बैंक के अध्यक्ष कमलेश पुरोहित व सचिव सौरभ शर्मा को रजिस्ट्रार डॉ. नीरज के. पवन, शीर्ष बैंक(जयपुर) प्रशासक जी. एल. स्वामी व प्रबंध निदेशक राजीव लोचन शर्मा ने शिल्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि बैंक ने कुल ऋण की 82.66 प्रतिशत वसूली की उपलब्धि हासिल की।

फूड सर्कल रेस्टोरेन्ट का शुभारम्भ

उदयपुर। फतहसागर देवाली स्थित फूड सर्कल रेस्टोरेन्ट का उद्घाटन राजसमंद विधायक किरण माहेश्वरी और मावली विधायक धर्मनारायण जोशी ने किया गया। रेस्टोरेन्ट संचालक पूर्व पार्षद चेतन सनाढ्य, उप महापौर लोकेश द्विवेदी, पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोविन्द दीक्षित, पूर्व पार्षद विजयप्रकाश विप्लवी, पूर्व पार्षद गिरीश श्रीमाली आदि मौजूद थे।

इंटीग्रेटेड वर्चुअल लैब का शुभारम्भ

उदयपुर। चित्रकूट नगर स्थित नीरजा मोदी स्कूल में स्थापित इंटीग्रेटेड वर्चुअल रिएलिटी लैब का स्कूल चेयरमैन डॉ. महेन्द्र सोजतिया, एडवाइजर डॉ. मुकेश श्रीमाली ने शुभारम्भ किया। डायरेक्टर साक्षी सोजतिया ने विद्यार्थियों को बधाई दी। प्राचार्य जॉर्ज ए थॉमस ने बताया कि लैब तकनीकी से भूगोल, विज्ञान व इतिहास जैसे विषयों को पढ़ाने में सहूलियत मिलती है।

डेयरी में नया प्रोसेस हॉल, कोल्ड स्टोरेज

उदयपुर। उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. गोवर्धन विलास परिसर में नया प्रोसेस हॉल, कोल्ड स्टोरेज, रेफ्रिजरेशन, बॉयलर बन गया है। इसका उद्घाटन अध्यक्ष दुग्ध संघ डॉ. गीता पटेल ने 2 सितम्बर को किया। डॉ. पटेल ने बताया कि योजना के अंतर्गत डेयरी में 3 टन क्षमता का नया एलपीजी ऑपरेटेड बॉयलर भी शीघ्र ही स्थापित किया जाएगा, जिससे प्राप्त दूध को कम समय में प्रोसेस किया जा सकेगा।

हैप्पी होम में मनाया हिन्दी दिवस

उदयपुर। हिन्दी दिवस रोटरी क्लब सुधा एवं हैप्पी होम विद्यालय ने धूमधाम से मनाया। क्लब अध्यक्ष सुरभि धींग ने बताया कि हैप्पी होम स्कूल में निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय राष्ट्रभाषा हिन्दी की उपयोगिता था। वहां कलाकृति प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। विद्यालय निदेशक जगदीश अरोड़ा, सुषमा अरोड़ा ने विद्यालय की समाचार पत्रिका 'दृश्यम' का विमोचन क्लब की संरक्षक मधु सरीन से करवाया। इस अवसर पर शकुन्तला पोरवाल, इन्दुबाला पोरवाल, इति पारेख भी मौजूद थी।

51 दिव्यांग व निर्धन जोड़ों का विवाह

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के 8 सितम्बर को तैंतीसवें दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह में 52 जोड़ों ने एक-दूजे का हाथ थामा। इन जोड़ों में कोई दूल्हा दिव्यांग था, तो दुल्हन सकलांग। वहीं कुछ जोड़ों में दोनों ही दिव्यांग थे। वरमाला के दौरान कोई दूल्हा कृत्रिम उपकरणों के मदद से वरमाला थामे आगे बढ़ा तो कोई जमीन पर हाथों व पैरों की मदद से। कुछ ने व्हील चेयर पर वरमाला की रस्म अदा की। संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव, सह संस्थापिका

कमलादेवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वंदना अग्रवाल एवं देश-विदेश के प्रबुद्धजनों ने जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

शादी के बाद दिव्यांग दुल्हनों की विदाई वेला में मौजूद लोगों की आंखों में आंसू छलक पड़े। दुल्हनों को डोली में बिठाकर परिजनों व मित्रों के साथ ही धर्म माता-पिता ने बेटियों को विदा किया। सभी जोड़ों को गृहस्थी का ज़रूरी सामान उपहार में दिया गया।

बाल खिलाड़ी पुरस्कृत

उदयपुर। खेल दिवस पर बरोड़िया राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित विभिन्न खेलों के विजेताओं को इनरव्हील क्लब ने पुरस्कृत किया।

क्लब अध्यक्ष रेखा भाणावत ने बताया कि विद्यालय में जोनल स्तरीय खेलकूद (अण्डर-14) में वॉलीबाल, खो-खो व कबड्डी के विजेताओं को डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन रचना सांघी, सचिव सुन्दरी छतवानी, पुष्पा सेठ, शीला तलेसरा, कान्ता जोधावत व आशा तलेसरा ने प्रथम पुरस्कार स्वरूप 38 स्वर्ण पदक एवं द्वितीय पुरस्कार स्वरूप 38 ट्रॉफियां दी। पिछले दिनों भुवाणा स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों को पोशाकें भी वितरित की गई।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर

उदयपुर। अपने रजत जयंती वर्ष में दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑप. बैंक लि. द्वारा आयोजित प्रथम निःशुल्क चिकित्सा शिविर का बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ लिया। बैंक अध्यक्ष विद्याकिरण अग्रवाल ने बताया कि आयोजित शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया ने किया। विशिष्ट अतिथि बैंक की पूर्व अध्यक्ष डॉ. किरण जैन, डॉ. आनंद गुप्ता एवं प्रमोद सामर थे। मुख्य कार्यकारी विनोद चपलोत ने बताया कि शिविर में लगभग 300 लोगों ने निःशुल्क चिकित्सा प्राप्त की।

फिल्म सिटी के लिए ज्ञापन

उदयपुर। पर्यटन विभाग ने राज्य में फिल्मसिटी की संभावनाओं को बल देते हुए जयपुर में इंटरनेशनल फिल्म टूरिज्म फेस्टिवल का आयोजन किया। मुख्य अतिथि पर्यटन राज्य मंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा थे। आईएएस अधिकारी श्रेया गुहा ने कहा कि प्रदेश में फिल्मसिटी बनने से न केवल पर्यटन बढ़ेगा, वरन सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी। राजस्थान लाइन प्रोड्यूसर मुकेश माधवानी ने पर्यटन राज्य मंत्री को उदयपुर में फिल्मसिटी के लिए ज्ञापन दिया।

डॉ. राठौड़ सम्मानित

उदयपुर। नागपुर में सम्पन्न लघु उद्योग भारती राष्ट्रीय अधिवेशन में मेवाड़ हाईटेक इण्डस्ट्रीज की निदेशक डॉ. रीना राठौड़ को जनरेशन बेस्ट वूमन एन्टरप्रिन्योर अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह में पूरे देश से झारखण्ड, मणिपुर एवं राजस्थान से सिर्फ तीन महिला एन्टरप्रिन्योर को सम्मानित किया गया। समारोह में केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भी मौजूद थे।

सीपीएस में स्थापना दिवस आयोजित

उदयपुर। न्यू भूपालपुरा स्थित सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल का स्थापना दिवस 19 अगस्त को भव्य समारोह के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि स्कूल निदेशक अलका शर्मा व पूर्व छात्रा स्वप्रिल कच्छारा तथा नम्रता शर्मा थी। कार्यक्रम में नव प्रवेशित व विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। संचालन रूचि पाहुजा ने किया।

प्रो. आर. पी. जोशी सम्मानित

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व शिक्षामंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा के साथ प्रो. जोशी सहित सम्मानित विद्वान।

उदयपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती एवं राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह पर जयपुर में आयोजित 14 सितम्बर को एक समारोह में एमडीएस विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं हिन्दी सेवी प्रो. राजेन्द्र प्रसाद जोशी, उदयपुर सहित प्रदेश के प्रमुख विद्वानों को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं शिक्षामंत्री गोविन्द सिंह डोटासरा द्वारा सम्मानित किया।

डीपी ज्वैलर्स को ज्वैलरी अवार्ड

उदयपुर। डीपी ज्वैलर्स की डिटैचेबल डायमंड ज्वेलरी को बेस्ट ब्राइडल डायमंड ज्वेलरी-2019 अवार्ड दिया गया। रिटेल ज्वेलर इंडिया के मुंबई में हुए अवार्ड समारोह में अवॉर्ड डी. पी. ज्वैलर्स के डायरेक्टर्स अनिल कटारिया और विकास कटारिया को दिया गया। इस मौके पर अनिल कटारिया ने कहा कि यह अवार्ड हमारे ग्राहकों के हम पर विश्वास का प्रतिफल है।

कोठारी चेयरमैन बने

उदयपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मटेरियल्स मैनेजमेन्ट की बैठक पिछले दिनों हुई। जिसमें एम एल कोठारी को चेयरमैन, राजेश जैन को वाइस चेयरमैन और अनुपम लुहाड़िया को कोषाध्यक्ष चुना गया। प्रिया मोगरा और डॉ. मनीषा अग्रवाल को नेशनल काउंसलर चुना गया। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन, के. एस. मोगरा व पी. एस. तलेसरा भी उपस्थित थे।

ग्रामोद्योग शिविर

उदयपुर। राजीव गांधी सेवा केन्द्र, भुवाणा में महात्मा गांधी ग्रामोद्योग शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कार्मिक व ग्रामवासियों ने हिस्सा लिया। हनुमान सिंह राठौड़, केदार प्रसाद वैष्णव, सुरेश चन्द्र पारिख, गिरधारीलाल वैष्णव, सचिव राकेश सिरवी, पटवारी गिरिश त्यागी, उपसरपंच मोहनलाल डांगी, वार्ड पंच दिनेश शर्मा व अन्य मौजूद थे।

शोक समाचार

उदयपुर। समाजसेवी किरणमल जी सावनसुखा (94) का 6 सितम्बर 2019 को निधन हो गया। वे जैन समाज के एक प्रमुख स्तंभ तो थे ही, अन्य समाजों के भी पथप्रदर्शक रहे। वर्तमान में ओसवाल बड़े साजन सभा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नागरिक संस्थान के संरक्षक थे। मूर्ति पूजक श्री संघ, जैन महासभा, सर कीका भाई, प्रेमचंद ट्रस्ट ऋषभदेव, अमर जैन साहित्य संस्थान, रसिकलाल एम. धारीवाल स्कूल सहित विभिन्न संस्थाओं से सम्बद्ध थे। विनम्र और मदु व्यवहार के धनी सावनसुखा के निधन पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनैतिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती सुशीला देवी, भ्राता तेजसिंह तरूण, पुत्री-दामाद सरोज-भगवत सिंह सुराना सहित भतीजों व दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध एवं सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। चिरवा (उदयपुर) निवासी श्री मोहनलाल जी मेनारिया का 22 अगस्त, 2019 को देहावसान हो गया। वे 78 वर्ष के थे। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती सुन्दर बाई, पुत्र सत्यनारायण, पुत्रियां जसोदा देवी, भगवती देवी एवं पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

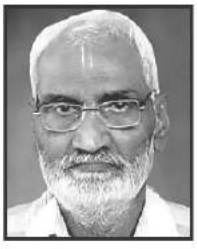

उदयपुर। जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल के समूह निदेशक डॉ. आनंद झा व नवीन झा के पिताश्री दिवाकर जी झा का 1 सितम्बर, 2019 को गोलोकगमन हो गया। वे 70 वर्ष के थे। वे अपने पीछे उक्त सुयोग्य पुत्रों सहित पुत्रियां विभा, आभा व संगीता तथा उनका सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

चित्तौड़गढ़। इण्डिया टीवी के उदयपुर संभागीय रिपोर्टर रमेश गर्ग के पिता ज्योतिषाचार्य श्री सोहनलाल जी गर्ग (96) का निधन 29 अगस्त 2019 को जिले की भदेसर तहसील के पैतृक गांव बानसेन में हो गया। वे अपने पीछे रमेश गर्ग सहित सात पुत्र, तीन पुत्रियां एवं पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से सम्बद्ध पत्रकारों व विभिन्न राजनैतिक दलों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। स्वतंत्रता सेनानी एवं इतिहासकार डॉ. देवीलाल जी पालीवाल(92) का 7 सितम्बर 2019 को देहावसान हो गया। उनका अन्तिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। वे अपने पीछे पुत्र डॉ. प्रकाश, अशोक व सुनील, पुत्रियां मंजू देवी, सविता देवी तथा पौत्र-पौत्रियों एवं दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उन्होंने महाराणा प्रताप और मेवाड़ के इतिहास पर पुस्तकें भी लिखीं। उनके निधन पर विभिन्न राजनैतिक संगठनों व इतिहासकारों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पालीवाल ने उदयपुर के श्रमजीवी महाविद्यालय में इतिहास के प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दी और वर्ष 1971-72 में राजस्थान साहित्य अकादमी के निदेशक भी रहे।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

वाशिंग पाउडर

हमारे अन्य उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- एडवाइस वाशिंग पाउडर
- एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com

www.aadharproducts.in

दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं

MAHILA SAMRIDHI BANK

हमारा ध्येय – आपकी समृद्धि

उत्तर भारत का सर्वश्रेष्ठ महिला बैंक

PROUDLY CO-OPERATIVE BANK

SAMRIDHI BANK APP

BHIM UPI

RuPay

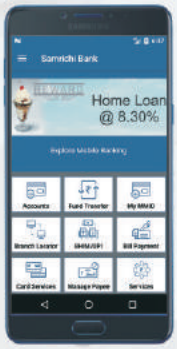

IMPS
IMMEDIATE PAYMENT SERVICE

BHARAT BILLPAY
BHARAT BILL PAYMENT SYSTEM
ANYTIME ANYWHERE BILL PAYMENT

RTGS/NEFT

■ Best North Based Bank Award - 2019 ■ Best Mobile Banking App Award - 2019 ■ Best Data Security Award - 2019

Vidhyakiran Agrawal	Sunita Mandawat	Vinod Chaplot
Chairperson	Vice Chairperson	Chief Executive Officer

THE UDAIPUR MAHILA SAMRIDHI URBAN CO-OP BANK LTD.

H.O. : "Samridhi" 2/7, 1st Floor 100 Ft. Road, Sec-14, Goverdhan Vilas, Udaipur (Raj.) 313002
Tel . : +91 -294-2641003, 2640704, Fax : +91-294-2641003
web : www.samridhibank.com | email : ho@samridhibank.com

INDIRA IVF
FERTILITY & IVF CENTRE

ONE STEP TOWARDS PARENTHOOD

नि:संतानता अभिशाप नहीं!

उचित सलाह एवं इलाज
समय रहते मिल जाए तो हो
सकता है समाधान

परामर्श हेतु कौन दम्पति सम्पर्क कर सकते है

- कम शुक्राणु
- धीमी गतिशीलता
- निल शुक्राणु
- खराब गुणवत्ता
- बंद ट्यूब
- अनियमित पिरियड
- अण्डों में खराबी
- गर्भाशय में रसोली

ट्यूब्स बंद थी रास्ते नहीं

महिलाओं में नि:संतानता का एक आम कारण बन चुका है ट्यूब्स का बंद होना। करीब चार दशक पहले टेस्ट ट्यूब बेबी (I.V.F.) तकनीक का आविष्कार हुआ जिसके जरिए महिलाएं बिना ऑपरेशन करवाएं संतान सुख प्राप्त कर रही है।

नि:संतानता एवं आईवीएफ से जुड़ी सभी जानकारी के लिए सीधे सम्पर्क / कॉल करें

✆ 766 5018 650

उपलब्ध सेवा

- IUI
- लेझर हेचिंग
- ब्लास्टोसिस्ट
- लेप्रोस्कोपी
- IVF / ICSI
- फर्टिलिटी जाँच
- हिस्ट्रोस्कोपी
- डोनर सर्विसेज

Email : help@indiraivf.in, Website : www.indiraivf.com

इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पीटल प्राइवेट लिमिटेड

44 अमर निवास, एम.बी. कॉलेज के सामने, कुम्हारों का भट्टा, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर

Helpline : 7665009964 / 65

- 73 Centres PAN India
- Treatment protocol as per individual need
- Patient friendly treatment options

'बेटी बचाओ/बेटी पढ़ाओ' अभियान में सहयोग करें। भ्रूण लिंग परीक्षण करवाना जघन्य अपराध है, यह कार्य हमारे यहां नहीं किया जाता है। Prenatal Sex Determination & Sex Selection is illegal and not done here.

Disclaimer : The models used in this creative is just for illustration purpose only.

मजबूत इरादों से करो
हर नई शुरुआत

WONDER
CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 1800 313131
लॉग इन करें: www.wondercement.com